संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 02
पृष्ठ 8
मंगलवार
17 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नॉनवेज अच्छा नहीं लगता...

विचार- क्या न्यायाधीश चंद्रचूड होंगे...

खेल- अगस्त के लिए आईसीसी के महीने...

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फिर से न पनपने की हद तक खत्म होगा :

जम्मू, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जब तक केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार है, कोई भी ताकत जम्मू क्षेत्र में नब्बे के दशक की तरह के आतंकवाद को पुनर्जीवित नहीं कर सकती श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार आतंकवाद को इस हद तक खत्म कर देगी कि वह फिर से कभी नहीं पनप सके। श्री शाह ने किश्तवाड़ क्षेत्र के पद्दार-नागसेनी विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा,"राष्ट्र-विरोधी और शांति-विरोधी तत्व जम्मू क्षेत्र में 90 के दशक जैसा माहौल वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम आतंकवाद को जमीन से कई फुट नीचे धकेल देंगे, ताकि वह फिर से न पनपे।" उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के प्रमुख डॉ. फारूक अब्दुल्ला पर तीखा

हमला करते हुए कहा,"जब किश्तवाड़ में खून-खराबा अपने चरम पर था, तब वह कहां थे।" उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा,"अगर वह यहां आते हैं तो उनसे पूछा जाना चाहिए। लेकिन मुझे पता है कि वह उस समय कहां थे। वह लंदन के समुद्र तटों पर मौज-मस्ती कर रहे थे।" उन्होंने कहा कि नेकां-कांग्रेस गठबंधन ने हमेशा से ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद के लिए आधार तैयार किया है। उन्होंने कहा,"इन पार्टियों ने महाराजा हरि सिंह को जम्मू-कश्मीर से खदेड़ दिया। बाद में, केवल उनका पार्थिव शरीर ही जम्मू-कश्मीर लौट सका। ये पार्टियां 1990 में कश्मीरी पंडितों के सामूहिक पलायन के लिए भी जिम्मेदार हैं।" छह सितंबर के बाद से अपने दूसरे दौरे पर जम्मू पहुंचे श्री शाह ने कहा कि ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) और विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) को नवीनतम हथियारों और शक्तियों से लैस किया गया है। उन्होंने कहा,"यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शांति भंग करने के लिए यहां आने वाले घुसपैठियों को पहाड़ों में ही दफनाया जाए और उन्हें अंदरूनी इलाकों में प्रवेश न करने दिया जाए। किसी को भी आतंकवाद के लिए भारतीय धरती का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।" गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा,"यह अनुच्छेद भारत के इतिहास का पुराना अध्याय बन गया है।" उन्होंने कहा,"मैं नेकां-कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि आप अनुच्छेद 370 को कैसे वापस ला सकते हैं। मैं स्पष्ट कर दूं कि न तो आतंकवाद और न ही अनुच्छेद 370 वापस आएगा।" नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पहले उन्होंने कहा था कि वह केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने श्री उमर का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा,"फिर उन्होंने (श्री उमर ने) दो सीटों से चुनाव लड़ने का फैसला किया। इससे पता चलता है कि उन्होंने हार स्वीकार कर ली है। मैं आपको बता दूं, आप दोनों सीटों से नहीं जीत सकते।" श्री शाह ने दोहराया कि जब तक केंद्र में मोदी सरकार है, कोई भी शक्ति गुज्जरों और पहाड़ियों को दिए गए आरक्षण को वापस नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि दो संविधान, दो झंडे और दो प्रधान वापस लाने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा, "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विजन और मिशन पूरा हो चुका है तथा कोई भी ताकत इन चीजों को पलट नहीं सकती।" श्री शाह ने पद्दार और किश्तवाड़ के लिए बड़े पैमाने पर विकास का वादा किया। उन्होंने मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा,"आपको पद्दार-नागसेनी निर्वाचन क्षेत्र से सुनील शर्मा की जीत सुनिश्चित करनी होगी। आपके पास पहले से ही पीएमओ में डॉ. जितेन्द्र सिंह हैं। अगर सुनील जीतते हैं, तो वे दोनों आपके विकास के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। पद्दार और किश्तवाड़ के विकास के लिए हमारे पास एक बड़ा विजन है।"

भारत में हम सात करोड़ घर बना रहे हैं : मोदी

गांधीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि भारत में हम सात करोड़ घर बना रहे हैं। ये दुनिया के कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है। श्री मोदी ने सुबह गांधीनगर में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थियों से बातचीत करने के बाद गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में चौथे वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो (री-इनवेस्ट) का उद्घाटन किया। उन्होंने इस दौरान कहा, "आप सभी जानते हैं कि भारत की जनता ने 60 साल बाद लगातार किसी सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया है। हमारी सरकार को मिले तीसरे कार्यकाल के पीछे भारत की बहुत आकांक्षायें हैं। आज 140 करोड़ भारतवासियों, युवाओं और महिलाओं को भरोसा है कि उनकी आकांक्षाओं को पिछले 10 साल में जो पंख लगे हैं। वे इस तीसरे कार्यकाल में एक नयी उड़ान भरेंगे।" देश के गरीब, दलित, पीड़ित, शोषित

और वंचित को भरोसा है कि हमारा तीसरा टर्म उनके गरिमापूर्ण जीवन जीने की गारंटी बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि 140 करोड़ भारतीय देश को तेजी से टॉप तीन इकॉनोमी में पहुंचाने का संकल्प लेकर काम कर रहे हैं। एक बड़ी दूरदर्शिता, एक बड़े मिशन का हिस्सा है, ये 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की हमारे कार्रवाई योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हमारे पहले 100 दिनों में हमारी प्राथमिकता, 'स्पीड और स्केल' की भी एक झलक मिलती है। इस दौरान हमने हर उस 'सेक्टर और फैक्टर' पर ध्यान दिया है, जो भारत के तेज विकास के लिये जरूरी है। उन्होंने कहा, "इन 100 दिनों में भौतिक और सामाजिक अवसरंचना के विस्तार के लिये अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिये गये हैं। हमारे विदेशी अतिथियों को ये जानकर हैरानी होगी कि भारत में हम सात करोड़ घर बना रहे हैं। ये दुनिया के कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है। सरकार के पिछले दो कार्यकाल में हम इसमें से चार करोड़ घर बना चुके हैं और तीसरे कार्यकाल में हमारी सरकार ने तीन करोड़ नये घर बनाने का काम शुरू भी कर दिया है।"

'हिंदी दैनिक शहर समता की स्थापना दिवस पर चर्चा परिचर्चा एवं काव्य गोष्ठी

प्रयागराज। हिंदी दैनिक शहर समता ने आज 20 वर्ष की यात्रा पूरी कर ली। आज वह 21 वर्ष में प्रवेश कर रहा है इसी उपलक्ष्य में शहर समता समूह समता समूह परिवार के लोगों की एक आवश्यक मीटिंग गूगल मीट के माध्यम से हुई जिसमें शहर समता दैनिक के संपादक ने कहा श्अखबार ने अपनी यात्रा में बहुत से उतार-चढ़ाव देखे हैं लेकिन अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति की बदौलत आज समता 21 वीं वर्ष में प्रवेश कर रहा है।श प्रबन्ध संपादक अरविंद पाण्डेय ने कहा कि शहर समता ने निरंतर अपनी साथ कायम रखी है और हम लोग प्रयास करेंगे कि इस साथ को भविष्य में भी कायम रखा जाए। शहर समता महिला गोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना ने कहा कि शहर समता ने महिला रचनाकारों के लिए एक अच्छा प्लेटफार्म दिया है जहाँ महिला रचनाकार अपने विचार गद्य एवं पद्य दोनो ही रूप में कभी काव्य के माध्यम से तो कभी लेख, कहानी, निबंध के माध्यम से व्यक्त व्यक्त कर रही है यह मेरा सौभाग्य है कि मैं उमेश भाई के इस उदेश्य को सार्थक बनाने की दिशा में सहयोगी के रूप में कार्य कर रही हूँ।

इस अवसर पर देहरादून इकाई की जिलाध्यक्ष निशा अतुल्य, जबलपुर इकाई की जिलाध्यक्ष अनीता दुबे, शिलांग इकाई की जिलाध्यक्ष नीता शर्मा, गोडा इकाई की जिलाध्यक्ष विभा श्रीवास्तव, पूनम पाण्डेय आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। आयोजन के दूसरे सत्र में काव्यगोष्ठी हुई जिसमें सभी ने विभिन्न विषयों पर अपनी रचनाएं सुनाकर आयोजन में चार चाँद लगा दिये।

राहुल गांधी की जीभ काटकर लाने वाले को दूंगा 11 लाख का

शिवसेना विधायक संजय गायकवाड का विवादित बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। एक विवादास्पद बयान में, शिवसेना (एकनाथ) विधायक संजय गायकवाड़ ने सोमवार को आरक्षण प्रणाली को खत्म करने पर अपनी टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जीभ काटने वाले को 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। अपने अजीबोगरीब बयान में गायकवाड़ ने कहा कि विदेश में रहते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह भारत में आरक्षण व्यवस्था खत्म करना चाहते हैं इससे कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है। संजय गायकवाड़ ने कहा कि राहुल गांधी का वह बयान जिसमें उन्होंने भारत में आरक्षण खत्म करने की बात कही है, यह जनता से सबसे बड़ा झूठ है। उन्होंने कहा कि एक तरफ महाराष्ट्र में आरक्षण की मांग उठ रही है, वहीं राहुल गांधी ने देश से आरक्षण खत्म करने का बयान दे दिया। गायकवाड़ ने कहा कि आज वह

देश से आरक्षण खत्म करने की भाषा बोल रहे हैं और उन्होंने कांग्रेस का असली चेहरा दिखा दिया है। जो भी राहुल गांधी की जीभ काटेगा, मैं उसे 11 लाख रुपये का इनाम दूंगा। महाराष्ट्र बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि वह विधायक की टिप्पणी का समर्थन नहीं करते हैं। बावनकुले ने कहा कि मैं गायकवाड़ की टिप्पणियों का समर्थन या समर्थन नहीं करूंगा। हालांकि, हम यह नहीं भूल सकते कि पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने आरक्षण का विरोध करते हुए कहा था कि इससे प्रगति प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी ने कहा था कि आरक्षण देने का मतलब बेवकूफों का समर्थन करना है। अब राहुल गांधी कहते हैं कि वह आरक्षण खत्म कर देंगे। भाजपा नेता ने कहा कि हम एससी, एसटी और ओबीसी को जागरूक करेंगे और उन्हें नेहरू, राजीव गांधी और राहुल गांधी की टिप्पणियों के बारे में सूचित करेंगे।

राहुल गांधी की आरक्षण ख़त्म करने पर की गई टिप्पणी देश में सकारात्मक कार्रवाई के लिए 'एक ख़तरा'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में हाल

ही में एक बातचीत के दौरान आरक्षण पर अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया। भारत में आरक्षण के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ष्हम आरक्षण को खत्म करने के बारे में तब सोचेंगे जब भारत एक उचित स्थान होगा और भारत एक उचित स्थान नहीं है। इस टिप्पणी ने न केवल सकारात्मक कार्रवाई के प्रति कांग्रेस पार्टी के दृष्टिकोण के बारे में, बल्कि भारत की सामाजिक व्यवस्था पर इसके व्यापक प्रभाव के बारे में भी व्यापक बहस छेड़ दी है। आरक्षण और सकारात्मक कार्रवाई के साथ कांग्रेस का एक जटिल रिश्ता रहा है। हालाँकि, कांग्रेस ने कई मौकों खुद को हाशिए पर रहने वाले समूहों के चौंपियन के रूप में स्थापित किया है, लेकिन इतिहास की बारीकी से जांच करने पर अधिक जटिल कथा का पता चलता है। कांग्रेस पार्टी के सबसे मजबूत नेताओं में से एक पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू व्यापक सकारात्मक कार्रवाई लागू करने में झिझक रहे थे। उसके इंदिरा गांधी का कार्यकाल भी महत्वपूर्ण आरक्षण नीतियों के विरोध से भरा रहा है। राहुल गांधी के पिता और देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने विवादास्पद टिप्पणी की, यहां तक घ्कि ओबीसी को "बुद्धू" (मूर्ख) भी कहा, जिससे पिछड़े समुदायों में आक्रोश फैल गया था। कांग्रेस पार्टी को इस ऐतिहासिक विरोध ने परेशान करना जारी रखा है। जिससे एससी (अनुसूचित जाति), एसटी (अनुसूचित जनजाति) और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) जैसे हाशिए पर रहने वाले समूहों को सही मायने में सशक्त बनाने की उसकी प्रतिबद्धता पर भी लोग सवाल उठा रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दो दिवसीय दौरे के चलते इंदौर में ड्रोन उड़ाने पर रोक

इंदौर (मध्यप्रदेश),एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 18 सितंबर (बुधवार) से शुरू होने वाले दो दिवसीय दौरे में उनकी सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने इंदौर के चिन्हित स्थानों के आस-पास ड्रोन और अन्य चीजें उड़ाने पर रोक लगा दी है। अधिकारी ने बताया कि शहर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे, एमजी रोड, रेसीडेंसी कोठी और भंवरकुआं चौराहे के तीन-तीन किलोमीटर के दायरे में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून और अन्य चीजें उड़ाने पर रोक लगा दी गई है।

मस्जिद में घुसकर मारने...भाजपा नेता नितेश राणा के खिलाफ मामला दर्ज

मुबंई, एजेंसी। गणपति कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय को कथित तौर पर निशाना बनाने के लिए भाजपा विधायक नितेश राणे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि एक पुलिसकर्मी की

शिकायत के आधार पर राणे और नवी मुंबई में गणपति कार्यक्रम के आयोजक के खिलाफ एनआरआई पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि संकल्प घरात नामक संस्था ने बिना अपेक्षित अनुमति के उल्वे में सात दिवसीय गणपति समारोह का आयोजन किया था और राणे मुख्य अतिथि थे। सितंबर के शुरूआत में अहमदनगर में रामगिरी महाराज के समर्थन में मोर्चा निकाला गया था। इस मोर्चे के बाद एक सभा का आयोजन किया गया था। इसमें बीजेपी विधायक नितेश राणे शामिल हुए थे। इस सभा के दौरान राणे ने मुसलमानों को खुली धमकी दी थी।

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स

OPD

नेत्र रोग विशेषज्ञ

डा. आर.के. श्रीवास्तव

समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

डा. शिखा माथुर

प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक

जनरल फिजिशियन

डा. कार्तिकेय

समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन

पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

खतरे के निशान के पास पहुंचकर स्थिर हुई गंगा, यमुना की रफ्तार भी थमी, एनडीआरएफ की टीम मुस्तैद

प्रयागराज । सोमवार को भी गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि लगातार जारी रही, हालांकि दोपहर 12 बजे की बुलेटिन के अनुसार गंगा फिलहाल स्थिर हो गई हैं। साथ ही यमुना की रफ्तार भी थम गई है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा 84.07 मीटर, छतनाग में में 83.41 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.91 मीटर रिकॉर्ड किया गया। 24 घंटे में गंगा में 21 और यमुना में 39 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है। इस हफ्ते हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश हुई तो गंगा और यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया। शुक्रवार सुबह फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 79.58 मीटर था, छतनाग में 78.10 मीटर और नैनी में यमुना का जलस्तर 79.35 मीटर था। शनिवार को गंगा उफान पर आ गई। इससे संगम क्षेत्र डूब गया। किला की दीवार से होते हुए बांध के नीचे पानी भर गया। रात आठ बजे तक छतनाग में गंगा का जलस्तर 4.51 मीटर बढ़कर 82.61 मीटर हो गया है। इसके बाद यमुना में तेजी से पानी बढ़ा। इसकी सहायक नदियां चंबल, केन और बेतवा भी उफान पर हैं। कई जिलों से होते हुए प्रयागराज में पानी पहुंचा तो वह बाढ़ का रूप ले लिया। यमुना के सापेक्ष शुक्रवार को गंगा का पानी धीमी गति से बढ़ा। यमुना का वेग इतना तेज था कि रात तक लेटे हनुमानजी डूब गए।सुबह तक मंदिर परिसर में कमर तक पानी भर गया। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 3.34 मीटर बढ़कर 82.92 मीटर हो गया है। वहीं, नैनी में यमुना का जलस्तर 3.69 मीटर बढ़कर 83.03 मीटर हो गया है। बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता डीएन शुक्ला ने बताया कि यमुना धीमी हुई है और गंगा बढ़ रही है। रविवार के बाद पानी कम होने की संभावना है। गंगा–यमुना का जलस्तर लगातार खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है। सिंचाई विभाग का बाढ़ खंड इसकी निगरानी कर रहा है। यहां खतरे का निशान 84.73 मीटर है। जिस गति से गंगा–यमुना का जलस्तर दो दिन में बढ़ा है, अगर वही गति कायम रही तो तटीय मोहल्लों के घरों में पानी भर जाएगा। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार रविवार को दोपहर 12 बजे की गई निगरानी के अनुसार फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में वृद्धि जारी है। यहां पर जलस्तर 83.88 मीटर पर बह रही हैं,

जो खतरे के निशान से कुछ ही नीचे है। इसी तरह छतनाक में गंगा जलस्तर 83.09 मीटर है और लगातार वृद्धि जारी है। इसी तरह नैनी में यमुना का चलस्तर 83.71 मीटर है और लगातार वृद्धि जारी है। गंगा और यमुना करीब 10 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रही हैं। खतरे का निशान 84.734 मीटर है। बाढ़ नियंत्रण इकाई की बुलेटिन के अनुसार गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच रहा है। बाढ़ का पानी लगातार बस्तियों में बढ़ता जा रहा है। इससे लोगों में खलबली मच गई है। रविवार दोपहर 12 बजे तक की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 83.88 मीटर, छतनाग में 83.09 पर है। बढ़ोत्तरी लगातार जारी है। गंगा करीब दस सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.71 मीटर रिकॉर्ड किया गया। चार घंटे में दस सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है। सोमवार को जारी बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा 84.07 मीटर, छतनाग में में 83.40 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.90 मीटर रिकॉर्ड किया गया। 24 घंटे में गंगा में 21 और यमुना में 39 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है। गंगा और यमुना खतरे के निशान के बिल्कुल करीब पहुंच गई हैं और कभी भी निशान को पार कर सकती हैं। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा 84.07 मीटर, छतनाग में में 83.41 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.91 मीटर रिकॉर्ड किया गया। 24 घंटे में गंगा में 21 और यमुना में 39 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है।

डीएम रविंद्र कुमार ने संभाला कार्यभार, कुंभ मेला अधिकारी से भी मिले

प्रयागराज। नवनियुक्त डीएम रविंद्र कुमार मंदर ने रविवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। कोषागार में चार्ज संभालने के बाद उन्होंने सर्किट हाउस में अफसरों के एक बैठक बुलाई और बाढ़ राहत कार्य को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि किसी भी

शरणार्थी को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आते ही अपना नजरिया स्पष्ट करते हुए कहा कि कुंभ से जुड़े कार्यों की वह प्रतिदिन नियमित रूप से मॉनीटरिंग करेंगे। कार्यभार ग्रहण करने के बाद डीएम कुंभ मेलाधिकारी विजय किरण आनंद से मिलने पहुंचे और उनसे कुंभ को लेकर बातचीत भी की। 2013 बैच के आईएएस रविंद्र कुमार मंदर इसके पूर्व जनपद रामपुर और जौनपुर में जिलाधिकारी के पद पर कार्यरत रह चुके हैं। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात नवनियुक्त जिलाधिकारी ने अधिकारियों से परिचय प्राप्त करते हुए उनसे संबंधित कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (नगर) मदन कुमार, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूजा मिश्रा, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विनय कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (नजूल) प्रदीप कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह आदि मौजूद रहे। मूलतः जयपुर के रहने वाले रविंद्र कुमार मंदर ने प्रयागराज पहुंचने के बाद कोषागार में कार्यभार ग्रहण से पहले विभिन्न मंदिरों में दर्शन पूजन किया। बाढ़ के कारण शहर कोतवाल कहे जाने वाले बड़े हनुमान मंदिर के बाहर से ही दर्शन पूजन किया। इसके बाद मनकामेश्वर मंदिर में भी भगवान शिव का दर्शन पूजन किया।

आज से पटरी पर दौड़ेगी देश की पहली 20 कोच वाली वंदे भारत, जंक्शन पर किया जाएगा स्वागत

प्रयागराज। 20 कोच वाली देश की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन सोमवार 16 सितंबर से शुरू हो रहा है। वाराणसी से नई दिल्ली के बीच चलने वाली 20 कोच की वंदे भारत का संचालन सोमवार को स्पेशल ट्रेन के रूप में वाराणसी से प्रयागराज और प्रयागराज से वाराणसी के बीच होगा। इस दौरान

ट्रेन आगमन पर प्रयागराज जंक्शन पर स्वागत कार्यक्रम भी होगा। प्रधानमंत्री मोदी सोमवार की शाम 4.15 बजे अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम से देश की पहली 20 कोच वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। वर्तमान में 16 कोच के साथ इस ट्रेन का संचालन वाराणसी से नई दिल्ली के बीच हो रहा है। 17 सितंबर से नियमित ट्रेन के रूप में 20 कोच वाली वंदे भारत शुरू हो जाएगी। खास बात यह है कि देश में सबसे पहले चलने वाली वंदे भारत जो 15 फरवरी 2019 को नई दिल्ली से वाराणसी के बीच चली थी, उस ट्रेन को 20 कोच से लैस किया जा रहा है। इसके सभी कोच अब भगवा रंग के होंगे। उधर, उद्घाटन के दिन वाराणसी से वंदे भारत शाम 4.15 बजे रवाना होकर यहां 6.10 बजे पहुंचेगी। यहां सांसद प्रवीण पटेल एवं अन्य जनप्रतिनिधि इस ट्रेन का प्रयागराज जंक्शन पर स्वागत करेंगे। डीआरएम हिमांशु बडोनी की मौजूदगी में यह कार्यक्रम प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर छह पर होगा। इस दौरान ट्रेन से वाराणसी से स्कूली बच्चे, समाजसेवी एवं तमाम एनजीओ से जुड़े लोग प्रयागराज आएंगे। उसके बाद वंदे भारत से ही सभी की वापसी होगी। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि 22435ध्22436 वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत में 17 और 22415ध्22416 वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत में 18 सितंबर से 16 की जगह 20 कोच हो जाएंगे।

प्रयागराज में पैर फिसलने से तालाब में गिरा किशोर: पीएसी जवानों ने गहरे पानी में तलाश किया, दो घंटे बाद मिला शव

प्रयागराज। प्रयागराज में तालाब में डूबे बालक का शव पीएसी के बाढ़ राहत दल ने सोमवार को तलाश लिया। बालक गहरे पानी में समा गया था। मशक्कत के बाद भी जब शव नहीं मिला तो पीएसी की मदद ली गई। पीएजी के जवानों ने बोट से शव की तलाश शुरू की। दो घंटे जूझने के बाद शव बरामद हो गया। शव को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

मामला प्रयागराज के यमुनापार इलाके के करछना का है। मेजा थाना क्षेत्र के नेवडिया गांव का रहने वाला शिवा मिश्रा (14) पुत्र कृष्ण कुमार मिश्रा अपने ननिहाल करछना थाना क्षेत्र के देहली भागेशर गांव आया था। ननिहाल आकर घूमने के दौरान उसके पैर में मिट्टी लग गई। वह तालाब में पैर धोने के लिए गया तो फिसल गया। तालाब में बहुत बहाव है। ऐसे में शिवा गहरे पानी में समा गया। मामला रविवार शाम का है। किशोर के डूबने के बाद वहां भीड़ जमा हो गई। गांव के लोगों ने कोशिश की लेकिन शिवा का पता नहीं चला। जल पुलिस की सूचना पर सोमवार को 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी के बाढ़ राहत दल ने शव की तलाश शुरू की। दल नायक मिथिलेश कुमार राय के निर्देशन में सर्च अभियान चलाया गया।

इस बार दो दिन हो सकती है पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा, आयोग को नहीं मिल रहे पर्याप्त केंद्र

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) प्रारंभिक परीक्षा–2023 में पेपर लीक की घटना के बाद शासन

इस बार सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस)–2024 की प्रारंभिक परीक्षा दो दिन करा सकता है। परीक्षा केंद्रों की पर्याप्त संख्या में व्यवस्था न हो पाने के कारण ऐसा किया जा सकता है। हालांकि, आयोग एक ही दिन में परीक्षा कराने के लिए केंद्रों की व्यवस्था करने में जुटा है। आरओध्एआरओ ने केंद्र निर्धारण के नियम काफी सख्त कर दिए हैं। निजी स्कूल–कॉलेजों को केंद्र बनाने पर रोक लगा दी गई है। साथ ही शासन ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर अभ्यर्थियों की संख्या पांच लाख से अधिक है तो परीक्षा दो दिन में संपन्न कराई जा सकती है। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के लिए अब पर्याप्त संख्या में केंद्रों की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। ऐसे में परीक्षा 26 एवं 27 अक्तूबर को दो पालियों में सुबह 9.30 से 11.30 और अपराह्न 2.30 से 4.30 बजे तक कराई जा सकती है।

हालांकि, आयोग के कैलेंडर में यह परीक्षा 27 अक्तूबर को प्रस्तावित है लेकिन पर्याप्त केंद्रों की कमी के कारण आयोग ने दो दिन परीक्षा कराने का विकल्प भी तैयार कर रखा है। फिलहाल, आयोग का प्रयास यही है कि परीक्षा एक दिन में ही करा ली जाए। आयोग के सचिव अशोक कुमार की ओर से 27 अक्तूबर को परीक्षा कराने के लिए सभी जिलाधिकारियों से परीक्षा केंद्रों की सहमति उपलब्ध कराने की अपेक्षा की गई थी, लेकिन आवेदन करने वाले 576154 अभ्यर्थियों के लिए अब तक पर्याप्त संख्या में केंद्रों की सहमति नहीं मिल सकी है। सचिव ने सभी डीएम को पत्र भेजकर कहा है कि जिन विद्यालयों की सहमति 27 अक्तूबर के लिए उपलब्ध गई है, उन्हीं विद्यालयों की सहमति 26 अक्तूबर के लिए भी अनिवार्य रूप से 18 सितंबर तक उपलब्ध करा दी जाए। सूत्रों का कहना है कि आयोग की प्राथमिकता एक ही दिन परीक्षा संपन्न कराने की है। इसके लिए विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और इंजीनियरिंग कॉलेजों से संपर्क किया जा रहा है, ताकि उन्हें केंद्र बनाया जा सके। अगर निश्चित समयावधि में केंद्रों की व्यवस्था हो जाती है तो परीक्षा एक दिन में करा ली जाएगी, वरना आयोग ने दो दिन में भी परीक्षा कराने का विकल्प भी रखा है।

अतीक की पांच करोड़ की तीन अन्य बेनामी संपत्तियां भी होंगी कुर्क, नैनी, फूलपुर और हंडिया में चिन्हित

प्रयागराज। अतीक अहमद की छह करोड़ की बेनामी संपत्ति कुर्क करने के बाद अब उसकी पांच करोड़ की तीन अन्य बेनामी संपत्तियों को भी कुर्क करने तैयारी है। यह तीनों संपत्तियां नैनी के मवैया और फूलपुर व हंडिया में स्थित हैं और यह उसी सफाईकर्मी के नाम पर खरीदी गईं, जिसके नाम पर पूर्व में कुर्क की गई संपत्तियों का बैनामा कराया गया। पुलिस ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, नवाबगंज के करौली निवासी श्यामजी सरोज के नाम पर पुलिस को पांच जमीनों का बैनामा होने की जानकारी मिली थी। इनमें से नैनी के अरैल में स्थित दो जमीनों को दो दिन पहले ही कुर्क किया गया है। यामजी ने खुद पुलिस को यह बयान दिया था कि अतरसुइया के सगे भाइयों कामरान व जावेद के घर वह सफाईकर्मी का काम करता था, उन्होंने ही अतीक व अशरफ के इशारे पर उनकी बेनामी संपत्तियों का बैनामा जबरन उसके नाम पर कराया। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि जब इन संपत्तियों की रजिस्ट्री कराई गई, तब श्यामजी महज आठ हजार रुपये महीना कमाता था। ऐसे में करोड़ों की संपत्ति का बैनामा करा पाना उसके लिए संभव नहीं था। इसी क्रम में उसका बयान दर्ज किया गया और फिर दो संपत्तियों को पुलिस आयुक्त कोर्ट की अनुमति से कुर्क कर दिया गया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब नैनी के मवैया, फूलपुर व हंडिया में स्थित पांच करोड़ रुपये की तीन जमीनों को भी कुर्क करने की तैयारी है। जमीनों से संबंधित दस्तावेजों की जांच पड़ताल का काम पूरा हो चुका है। इसमें लगभग साफ है कि उक्त संपत्तियां भी अपराध से अर्जित की गईं। जल्द ही इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए पुलिस आयुक्त कोर्ट में रिपोर्ट भेजी जाएगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सब कुछ ठीक रहा तो गौसपुर कटहुला स्थित 12.5 करोड़ की बेनामी संपत्ति की तरह ही माफिया की दो दिन पहले नैनी में कुर्क की गई छह करोड़ की संपत्ति भी शासन में निहित कराई जाएगी। फिलहाल गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) की कार्रवाई के बाद संबंधित को कार्रवाई के संबंध में नोटिस जारी कर अपील करने का मौका दिया जाएगा। तीन महीने में अपील न किए जाने की स्थिति में संबंधित फाइल गैंगस्टर कोर्ट भेज दी जाएगी। वहां प्रभावी पैरवी कर इस संपत्ति को भी शासन में निहित कराने का प्रयास किया जाएगा। गौरतलब है कि लालापुर के राजमिस्त्री हूबलाल के नाम पर बनाई गई माफिया भाइयों की बेनामी संपत्ति को प्रभावी पैरवी करते हुए कमिश्नरेट पुलिस ने शासन में निहित कराया है।

महाकुंभ पर शहर के स्टेशनों पर तैनात रहेंगे स्निफर डॉग, बम निरोधी दस्ता भी रहेगा तैनात

प्रयागराज। शहर में अगले वर्ष होने वाले महाकुंभ के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। इसी वजह से उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी, सूबेदारगंज आदि रेलवे स्टेशनों पर स्निफर डॉग तैनात करने की तैयारी की है। इन खोजी कुत्तों का प्रशिक्षण आरपीएफ ने शुरू भी कर दिया है। इन तमाम स्टेशनों पर 22 स्निफर डॉग तैनात किए जाने की तैयारी है। पूर्व में हुए कुंभ और महाकुंभ मेले के दौरान प्रयागराज जंक्शन पर ही स्निफर डॉग की तैनाती की जाती रही। 2025 में महाकुंभ मेले का आयोजन है। विश्व के इस सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु ट्रेनों के माध्यम से संगमनगरी पहुंचेंगे। इसी वजह से रेलवे का फोकस है कि महाकुंभ के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहें। इसी वजह से उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन इस बार महाकुंभ के मौके पर कुल 22 स्निफर डॉग उनके हैंडलर के साथ तैनात करने जा रहा है। इसमें से सर्वाधिक सात स्निफर डॉग प्रयागराज जंक्शन पर तैनात किए जाएंगे। नैनी जंक्शन, प्रयागराज छिवकी और सूबेदारगंज स्टेशन पर चार–चार स्निफर डॉग तैनात किए जाएंगे। आरपीएफ ट्रेनिंग सेंटर में इसका प्रशिक्षण भी लगातार चल रहा है। शहर के इन चार रेलवे स्टेशनों के साथ मिर्जापुर, मानिकपुर और फतेहपुर स्टेशन पर भी एक–एक स्निफर डॉग उनके हैंडलर के साथ तैनात रहेगा। इसके अलावा बम निरोधी दस्ता भी तैनात रहेगा। हालांकि, इसकी मॉनिटरिंग जीआरपी द्वारा की जाएगी। एनसीआर के इन चारों स्टेशनों पर रेलवे सीसीटीवी कैमरे भी बढ़ा रहा है। मौजूदा समय में प्रयागराज जंक्शन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की कुल संख्या 151 है। यहां 147 कैमरे और लगाए जाएंगे। महाकुंभ तक यहां इनकी कुल संख्या 298 हो जाएगी। वहीं, नैनी में 31 से बढ़ाकर 39 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। प्रयागराज छिवकी पर 31 कैमरे अभी लगे हैं। यहां 92 कैमरे और लगाए जाने के बाद कुल संख्या 123 हो जाएगी। वहीं, सूबेदारगंज में मौजूदा समय में 27 कैमरे लगे हैं, 13 कैमरे और लगा दिए जाने के बाद यहां महाकुंभ के पूर्व कुल 40 सीसीटीवी कैमरे हो जाएंगे। महाकुंभ पर यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसी वजह से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे बढ़ाए जा रहे हैं।

महाकुंभ 2025 : रिजर्व पुलिस लाइन के लिए किया गया भूमि पूजन, मेला सकुशल संपन्न कराने के लिए की प्रार्थना

प्रयागराज। परेड मैदान में महाकुंभ 2025 के लिए रिजर्व पुलिस लाइन की भूमि का पूजन सोमवार को किया गया। कुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद, पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा

समेत तमाम अधिकारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से पूजा कर आरती उतारी। ईश्वर से महाकुंभ को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रार्थना की। पत्रकारों से बातचीत करते हुए पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने कहा कि पुलिस लाइंस की भूमि का पूजन साधु–संतों की मौजूदगी में किया गया। साधु संतों और ईश्वर से मेले को सकुलशल संपन्न कराने का आशीर्वाद मांगा गया। उन्होंने कहा कि संगम स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक सुविधा और सहूलियत मिले यही हमारी प्राथमिकता है। पिछले कुंभ की अपेक्षा आने वाले महाकुंभ में श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक रहेगी। साथ ही पार्किंग के एरिया में भी पहले की तुलना में काफी वृद्धि होगी। स्नान घाट भी पहले से ज्यादा बनाए जाएंगे। सुविधाएं भी ज्यादा दी जाएंगी। कहा कि भीड़ का आकलन करने के लिए एआई तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ़ रखना प्राथमिकता है, ताकि आने वाले किसी भी श्रद्धालु को परेशानियों का सामना न करना पड़े। किसी भी आपदा से निबटने के लिए आपदा प्रबंधन टीम पूरी तरह से मुस्तैद रहेगी. पुलिस, एटीएस, एसटीएफ सबके सहयोग से मेले को सकुशल संपन्न कराया जाएगा।

डरा धमकाकर कर शारीरिक संबंध बनाना दुष्कर्म, आरोप पत्र को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डरा कर महिला से ली गई सहमति के बाद शारीरिक संबंध बनाना भी दुष्कर्म है। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति अनीस कुमार गुप्ता की अदालत ने आगरा के राघव की ओर से दुष्कर्म के आरोप पत्र को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। मामला वर्ष 2018 में एडीजीपी आगरा के आदेश पर महिला थाने पर दर्ज हुआ। पीड़िता ने राघव और उनके पूरे परिवार पर आरोप लगाए। कहा कि वर्ष 2016 में राघव के परिजन उसके घर रिश्ता लेकर पहुंचे थे। लेकिन पीड़िता के परिजनों ने रिश्ते से इंकार कर दिया। हालांकि, पीड़िता और राघव के बीच बातचीत का सिलसिला जारी रहा। इसी बीच पीड़िता सिविल सेवा की तैयारी के लिए दिल्ली चली गई। 2017 में दिल्ली पहुंचे राघव ने बीमार मां को खून देने की कहानी सुना कर उसे अपने घर ले गया। जहां पीड़िता का खूब स्वागत सत्कार भी हुआ। इसी दौरान उसने चाय पी और बेहोश हो गई। जब जागी तब उसके साथ अनहोनी हो चुकी थी। जब रिपोर्ट करने की बात कही, तो राघव ने खुद की कनपटी पर रिवाल्वर रख दी, और शादी के लिया हामी भराई। इसके बाद राघव के परिजनों ने सगाई की रस्म की उसे अंगूठी भेट की और राघव ने उसकी मांग भर दी। शादी के बाद वह कई जगह संग घूमे और शारीरिक संबंध बनाए। कुछ दिन बाद दोनो फिर से दिल्ली चले गए। पीड़िता के अनुसार इस दौरान उसने प्राइवेट नौकरी भी की, उसे मिलने वाली वेतन राघव जबरदस्ती छीनने लगा। इसके बाद तंग आई पीड़िता ने आगरा के एडीजीपी से संपर्क कर महिला थाने में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने विवेचना कर राघव के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं ने आरोप पत्र आगरा के ट्रायल कोर्ट ने दाखिल कर दिया। इसके खिलाफ राघव ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। राघव के वकील ने दलील दी कि दोनों के बीच शारीरिक संबंध सहमति से बने थे। कोर्ट ने राघव की दलील सिरे से खारिज कर दिया। कहा कि भले ही वर्षो तक पीड़िता संग सहमति से शारीरिक संबंध बने हो, लेकिन पहली बार नशे की हालत में बनाया गया। उसके बाद खुद की कनपटी पर बंदूक रख कर डरा कर शादी की सहमति ली गई। इससे सिद्ध होता है कि बनाया गया शारीरिक संबंध डरा और भ्रम में डाल कर ली गई सहमति के आधार पर बनाया गया।

शिक्षा सोपान आश्रम में हुआ शानदार कविसम्मेलन

कानपुर।कहते हैं साहित्य व कला के बिना जीवन अधूरा है यह बात विज्ञान की तीन दिवसीय प्रयोगशाला में देखने को मिला। प्रति वर्ष की भांति शिक्षा सोपान आश्रम में आयोजित होने वाली विज्ञान प्रयोगशाला में सिद्ध हुई,जहां देश के विभिन्न प्रदेशों के प्रतिभावान भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ आकर प्रतिभाग किया। आई. आई.टी. कानपुर के भौतिक विज्ञान के पूर्व प्रोफेसर पद्मश्री डॉ. हरीश चन्द्र वर्मा द्वारा गरीब बच्चों के लिए स्थापित नानकारी स्थित शिक्षा सोपान आश्रम के नीस्ट का तीन दिवसीय महत्वपूर्ण कार्यक्रम दिनांक 13,14 एवं 15 सितंबर 2024 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम के आखिरी दिन माहौल को सरस व रोचक बनाने

की दृष्टिकोण से पद्मश्री डॉ. हरीश चंद्र वर्मा के सानिध्य में शिक्षा सोपान के खुले प्राकृतिक प्रांगण में चांद की उपस्थिति में सरस कविसम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता नवगीतकार जयराम जय ने तथा संचालन शिप्रा ज्ञानेन्द्र व भरत सोमैया भारत ने रोचक अंदाज में संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सर्व श्री जयराम जय, राम प्रकाश बाजपेई,प्रोफेसर हरीश वर्मा, रंजन उपाध्याय,कविवर विमल के शानदार काव्यपाठ के अतिरिक्त हरिशंकर नाथ तिवारी (चंपारन बिहार),विवेक कुशवाहा ,तूलिका (हरियाणा),बुशरा अली (कोलकाता),अरहम गांधी, इशायु (गुजरात),अनीता मनीष ,रिचा मेरठ ,प्रवीण पटेल,दिव्यांश गुप्ता (हिमाचल प्रदेश),अभिज्ञान चौहान ,संकल्प दुबे (दिल्ली)आदि विज्ञान के विद्यार्थियों ने बहुत सुंदर काव्य पाठ किया जिससे लगा कि हिन्दी कविता का भविष्य उज्ज्वल है। रोहन ने सुमधुर बांसुरी से राष्ट्रीय गीत की धुन बजाकर मोह लिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष जयराम का सम्मान शिक्षा सोपान आश्रम के पदाधिकारियों ने किया तथा पद्मश्री डॉ.हरीश चन्द्र वर्मा ने स्मृतिशेष पिता श्री गणेश वर्मा की पुस्तकों का सेट उपहार स्नेह स्वरूप प्रदान किया। इस कविसम्मेलन में कविता के सुधी श्रोता कार्यक्रम समापन तक उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के सूत्रधार अमित बाजपेई ने आगतों से रात्रिभोज के आमंत्रण के साथ धन्यवाद प्रदान किया।

मनरेगा शिकायतो की जन सुनवाई आज करेंगे लोकपाल

नागरिक , पत्रकार व जन प्रतिनिधि भी कर सकते है संवाद

प्रतापगढ़ ।लोकपाल मनरेगा समाज शेखर बीते 10 सितम्बर से मनरेगा शिकायतो के निवारण हेतु प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को 12 से 4 बजे तक अनिवार्य रूप से निरंतर जन सुनवाई व संवाद

कर रहे है । इसी कड़ी में वह मंगलवार 17 सितम्बर को विकास भवन स्थित कार्यालय में जन सुनवाई करेंगे । लोकपाल ने सभी वास्त्विक शिकायतकर्ताओ का स्वागत करते हुए उक्त अवसर का लाभ लेने का आवाहान किया है । लोकपाल समाज शेखर ने कहा है कि समाजसेवी, पत्रकार व जन प्रतिनिधि गण भी प्रतिभाग कर अपने सुझाव व संवाद स्थापित कर प्रभावी भूमिका निभा सकते है। मनरेगा लोकपाल समाज शेखर ने बताया की जन सामान्य व मनरेगा कर्मी लोकपाल के सीयूजी नंबर 8188067730 व ईमेल सवाचंसचतंजंचहंती/हउंपस.बवउ पर भी अपनी प्रारंभिक शिकायत दर्ज करा सकते है। उन्होने कहा की विकास भवन के द्वितीय तल पर कक्ष संख्या 67 में लोकपाल मनरेगा का कार्यालय स्थित है । मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार व अन्य अनियमितता की शिकायतों हेतु किसी भी कार्य दिवस पर मनरेगा लेखाकार को रीसीब कराया जा सकता है । सभी वास्तविक शिकायतकर्ताओ का स्वागत है।

प्रयाग के बेटे का नेपाल में हुआ सम्मान

प्रयागराजस बुलंदी संस्था द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह में प्रयागराज के अमित कुमार शर्मा जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय कवि संगम भदोही इकाई को साहित्य गौरव अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया जिसमें उपस्थित अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकारों ने उज्जवल भविष्य की कामना की।

भाद्रपद माह के दसलक्षण पर्व का आठवां दिन - उत्तम त्याग-

प्रयागराज । प्रवक्ता महेंद्र जैन ने बताया – जैसे नदियों से समुद्र तृप्त नहीं होता है, ईंधन से अग्नि तृप्त नहीं होती है उसी तरह परिग्रह से आशा की प्यास नहीं बुझती है। आशारूपी गड्ढा अगाध गहरा है, जिसका तल स्पर्श नहीं है। आत्मशुद्धि के उद्देश्य से विकार भाव छोड़ना तथा स्व–पर उपकार की दृष्टि से धन आदि का दान करना त्यागधर्म है। अतः भोग में लाई गई वस्तु को छोड़ देना भी त्याग धर्म है। आध्यात्मिक दृष्टि से राग द्वेष क्रोध मान आदि विकार भावों का आत्मा से छूट जाना ही त्याग है। उससे नीची श्रेणी का त्याग धन आदि से ममत्व छोड़कर अन्य जीवों की सहायता के लिये दान करना है। यह जानकारी कमेटी के प्रचार मंत्री श्री अखिलेश चंद्र जैन द्वारा प्राप्त हुई।

"द लेयर्स' राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में प्रयागराज के कलाकारों का शानदार प्रदर्शन'

'गुरुकुल के डायरेक्टर प्रो.अभय द्विवेदी ने सभी कलाकारों को बधाइयां देते हुए पेंटिंग उतार कर प्रदर्शनी का समापन किया'

प्रयागराज। भारत ललित कला अकादमी द्वारा कलाकारों की सामूहिक राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी श्द लेयर्सश चित्रकला प्रदर्शनी गुरुकुल आर्ट गैलरी कानपुर में देश के विभिन्न प्रदेशों के मशहूर कलाकार शामिल हुए। प्रदर्शनी में प्रयागराज के एसो. प्रो. डॉ.

सचिन सैनी, तलत महमूद, रवींद्र कुशवाहा, राजेंद्र भारतीय एवं अर्चना पाण्डेय के चित्रों को खूब सराहा गया। गुरुकुल कला दीर्घा कानपुर एवं भारत ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित कलाकारों की चल रही सामूहिक प्रदर्शनी का आज रविवार को गुरुकुल आर्ट गैलरी आजाद नगर में कानपुर के ख्याति प्राप्त चित्रकार गुरुकुल संस्थापक प्रो. अभय द्विवेदी के द्वारा समापन हुआ। प्रो. अभय एवं डॉ. हृदय गुप्ता ने भारत के अलग अलग जगह से आए हुए कलाकारों को शुभकामनाएं दीं।

बता दे की बता दे कि प्रदर्शनी का उद्घाटन सुप्रसिद्ध चित्रकार, राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग लखनऊ के अध्यक्ष व ललित कला विभाग काशी विद्यापीठ वाराणसी के विभागाध्यक्ष डॉ.सुनील कुमार विश्वकर्मा एवं प्रो० सुनील सक्सेना के द्वारा किया गया था। प्रदर्शनी में प्रयागराज के अलावा देश के 11 शहरों के समसामयिक कलाकारों की कृतियों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें प्रो.सुनील सक्सेना, अनुप कुमार सिंह, मनोज कुमार हंसराज, मो. मजीद मंसूरी, अनूप सिंह लखनऊ, सुमित ठाकुर कानपुर, जोयल गिल, सचीकांत झा दिल्ली, अनिल सोनी मथुरा, कमलेश वर्मा मुंबई, कसुला पद्मावती हैदराबाद, खुशबू उपाध्याय सोनी मिर्जापुर, भोला सिंह, मनीष मंजुल उपाध्याय पटना, मो. सुलेमान, समस्तीपुर, मोनिता सहाय, हैदराबाद, राजीव सेमवाल फरीदाबाद शामिल हुए। प्रदर्शनी के आयोजक सुमित ठाकुर एवं संरक्षक रवींद्र कुशवाहा, क्यूरेटर अभिनय प्रकाश, संयोजक अध्यात्म शिवम व नेहा मिश्रा समेत सभी कमेटी के सदस्यों के कार्य की सराहना की। आरएस पांडे, अजय पाठक, दीपा पाठक ,रूबी ठाकुर, आयुष, शशांक, सृजन ,श्रेया, उत्तकर्ष समेत अन्य कलाकार व कलाप्रेमी मौजूद रहे।

'सुन्नतों और उनके तरीकों पर अमल करने वाला ही आशिके रसूलरु मुफ्ती सैफुर रहमान'

'खुद्दामे हज कमेटी द्वारा मनाया गया ईद मिलादुल नबी का जलसा'

प्रयागराज। हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की जिन्दगी, उनके बताये तरीकों और सुन्नतों पर अमल करने वाला ही आशिके रसूल है। यह बातें मुफ्ती सैफुर रहमान कासमी साहब ने खुद्दामे हज कमेटी की ओर से पालकी गेस्ट हाउस में आयोजित ईद–मिलादुल नबी के जलसे को खेताब करते हुए कहीं। उन्होंने हदीस का जिक्र किया, कहा कि हम जिसे जान से ज्यादा चाहें और मुहब्बत करें, तो उससे भी ज्यादा हमारी मुहब्बत हमारे आका हजरत मुहम्मद सल्ल. अलैहि वसल्लम साहब से होना चाहिए। और हर आशिक रसूल शख्स पर लाजिम है कि वह कसरत से दरूद पड़े और हुजूर के बताई सुन्नतों पर अमल करे। लिहाजा

हमें हुजर की सुन्नतों के मुताबिक ईद मिलादुन्नबी मनाएं ना कि दूसरों की नकल करें। जो सुन्नतों के खिलाफ हो।

जलसे की सदारत अल्हाज अनीस अहमद अंसारी और मेहमान–ए खुसूसी हाजी नजीर अहमद रहे।

जलसे की शुरुआत सुबह कुरआन ख्वानी से की गई। जबकि जलसे में आई हुई औरतों को मुअल्लिमा अमीर फातिमा ने हजरत मोहम्मद सल्ल. की तालीमात और दीन के लिए कुरबानियों का जिक्र किया, संचालन हज्जिन खुरशीदा ने किया। अंत में अल्तमश अंसारी ने आए हुए सभी लोगों का शुक्रिया किया और जलसे को प्रभावी बनाने की अपील की। जलसे का खात्मा दुआओं के साथ हुआ। आपसी भाईचारगी और मुल्क की सलामती के लिए दुआ की गई।

सांसद ने किया अस्पताल का किया उद्घघाटन

करछना।आज अस्पताल खोलना जनसेवा हेतु बहुत पुनीत कार्य है।शहरों की ही तरह ग्रामीण क्षेत्रों में भी अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं समय की जरूरत बन चुकी हैं।पचदेवरा गौहनिया मार्ग पर हिंदूपुर के समीप डॉ. बी.के.सिंह द्वारा यह अस्पताल खोले जाने से उनकी योग्यता निश्चित रूप से यह क्षेत्रीय लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा देने में कामयाब रहेगा।इससे क्षेत्र में अस्पताल खोलने का उनका सपना जहां एक ओर साकार हुआ है वहीं क्षेत्रीय लोगों को कई गंभीर रोगों के लिए शहर में जाकर अपने गांव में ही इलाज की बेहतर सुविधा प्राप्त होगी।यह बातें हिंदूपुर में एक नए अस्पताल के खोले जाने के अवसर पर फीता काटकर उद्घाटन करते फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल ने कही।उन्होंने कहा कि अच्छी इलाज के लिए अब इस क्षेत्र के लोगों को दूर शहर के अस्पतालों में नहीं भटकना पड़ेगा।गंभीर रोगों के परीक्षण हेतु तमाम जरूरी जांचें अब आपके क्षेत्र में ही उपलब्ध होंगी और यह अस्पताल चिकित्सा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।अस्पताल संचालक न्यूरो सर्जन डॉ.बी के सिंह ने आए हुए डाक्टरों,समाजसेवियों और स्थानीय लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि अपने गांव और क्षेत्र में बहुत दिनों से मेरे मन में चल रहे एक अच्छे अस्पताल खोलने का सपना आज साकार हुआ है।अब इस अस्पताल का लाभ क्षेत्रीय लोगों को मिलेगा।इस मौके पर विधायक मेजा संदीप पटेल,के.के. सिंह ब्रहमा,शोभ नारायण द्विवेदी,पूर्व सांसद नाग्रेंद्र सिंह,डॉ. भगवत पांडेय,गेंदा सिंह,मनीष तिवारी,अशोक सिंह,बादल सिंह सहित कई डाक्टर और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मोलानाथ कुशवाहा के लेखन में उनकी पत्नी का खास योगदान है- प्रो रेनूरानी सिंह

स्व हीरामनी देवी की स्मृति में कवि सम्मेलन आयोजित

मिर्जापुर। हिन्दी श्री साहित्य संस्थान के सौजन्य से स्व श्रीमती हीरामनी देवी की स्मृति में रविवार को शहीद उद्यान नारघाट में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि श्रीमती हीरामनी देवी वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा की धर्मपत्नी थी जिनका निधन गत 6 अगस्त 24 को हो गया था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केबी पीजी कालेज की हिन्दी विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो रेनूरानी सिंह थी। वरिष्ठ साहित्यकार गणेश गम्भीर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का प्रारम्भ पूर्व विधायक भगवती चौधारी द्वारा श्रीमती हीरामनी देवी के चित्र पर पुष्पांजलि से हुआ। तत्पश्चात मुख्य अतिथि, अध्यक्ष व मंचासीन अतिथियों के साथ परिवार के लोगों सर्वश्री ज्ञानदास मौर्य, सावित्री देवी, दिनेश मौर्य, शशि मौर्य, आशीष मौर्य,अंजली मौर्य, संजय मौर्य, साधना मौर्य, सान्वी मौर्य आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की। अपने वक्तव्य में मुख्य अतिथि प्रो रेनूरानी सिंह ने पुरानी स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि हीरामनी देवी ने एक कुशल गृहणी के रूप में सहयोग कर कुशवाहा जी को पत्रकारिता के साथ साहित्य लेखन के लिए प्रेरित किया।उनके लेखन में उनकी पत्नीका विशेष योगदान रहा है। गणेश गम्भीर ने कहा कि इनकी पत्नी कवि गोष्ठियों में बहुत आत्मीयता के साथ अतिथि सत्कार करती थीं। लल्लू तिवारी ने कहा कि निधन से कुछ दिन पूर्व घंटाघर चौराहे के समीप मिलीं थी और कहा कि आज मिल ल, कौनों दिन धीरे से निकल जाब तब खोजब। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द अवस्थी ने कुशलता से किया। कार्यक्रम का प्रारंभ पूजा यादव की सरस्वती वन्दना से हुआ। काव्य पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री गणेश गम्भीर, लल्लू तिवारी, भोलानाथ कुशवाहा, अरविन्द अवस्थी, संदीप बालाजी, प्रतिमा शर्मा पुष्प, चंद्रकांत भ्रमर, केदार नाथ सविता, मुहिब मिर्जापुरी, श्याम अचल, जगदीश पांडेय, कुलभूषण पाठक, शिव प्रसाद द्विवेदी,नंदलाल सिंह चंचल ,त्रियोगी मिट्ठू , खुर्शीद भारती, आनन्द अमित, लालव्रत सिंह सुगम, नंदिनी वर्मा, इला जायसवाल, पूजा यादव, प्रमोद चंद्र गुप्त, नारायण जी उपाध्याय, विजय गुप्ता जी, मयंक प्रजापति, इरफान कुरैशी आदि थे। वरिष्ठ शायर जफर मिर्जापुरी की गजल को पढ़कर सुनाया गया। इस कार्यक्रम में शामिल विशिष्ट लोगों में सर्वश्री राजपति ओझा, सुनील कुमार पांडेय, आनन्द केशरी, अमरनाथ सिंह आदि थे।

धूप निकलने के साथ छाए रहेंगे बादल, मौसम विभाग ने 3 दिन बारिश का अनुमान जताया

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सोमवार सुबह से ही मौसम साफ है। तेज धूप निकली हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि दिन में बादल छाए रहेंगे। इस दौरान बारिश की भी संभावना है। दिन का अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री रहने की संभावना है। रविवार को अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री रहा। अधिकतम आर्द्रता 93 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 67 फीसदी रही। दिन में पूर्वी हवा का असर बना रहा।

डॉ0 अरुण कुमार मिश्र की पुस्तक भारतीय संस्त में राम का हुआ विमोचन

प्रतापगढ़ । एम डी पी जी कॉलेज प्रतापगढ़ में हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अरुण कुमार मिश्र की पुस्तक भारतीय संस्कृति में राम का विमोचन किया गया। जिसकी अध्यक्षता इलाहाबाद उच्चन्यायालय के न्यायमूर्ति श्री नीरज तिवारी, विशिष्ट अतिथि प्रतापगढ़ के डी जे श्री अब्दुल शाहिद, जिलाधिकारी श्री संजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार, सीजेएम श्रीमती अर्चना तिवारी और मुख्य वक्ता प्रो ऋषि कांत पाण्डे(इलाहाबाद वि. वि.) थे। यह आयोजन प्रतापगढ़ जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन और एम डी पी जी कॉलेज प्रतापगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में था। जनपद हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रतापगढ़ के प्रधानमंत्री श्री आनन्द कुमार पाण्डे जी है।

वडोदरा, गुजरात में शहर समता विचार मंच मेघालय की सलाहकार डॉ अनिता पंडा सम्मानित

बड़ोदरास अस्मिता त्रैमासिक पत्रिका द्वारा आयोजित श नारी अस्मिता श्रेष्ठ साहित्य सम्मान 2024श प्रतियोगिता में डॉ अनिता पंडा की पुस्तक शमिथक और लोककथाएँ गारो पहाड़ियों सेश (अनुवाद)लोक साहित्य के अंतर्गत प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

दिलकुशा उद्यान और विलायती बाग में हेरिटेज वॉक, नई पीढ़ी को दी गई ऐतिहासिक धरोहरों की जानकारी

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ स्थित दिलकुशा कोठी में आदाब अर्ज लखनऊ द्वारा दिलकुशा उद्यान और विलायती बाग में एक हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। जो लखनऊ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को उजागर करने का काम करता है। इस वॉक का मुख्य उद्देश्य लोगों को लखनऊ की ऐतिहासिक इमारतों और उनके महत्व से परिचित कराना था। हेरिटेज वॉक का संचालन सेवानिवृत्त आईएफएस मोहम्मद अहसान ने किया। उन्होंने दिलकुशा कोठी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विस्तार से जानकारी दी। मोहम्मद अहसान ने बताया कि दिलकुशा कोठी का निर्माण सआदत अली खान ने कराया था और इसे गोर ओसले ने पल्लाडियन शैली में डिजाइन किया था। 1857 के विद्रोह के दौरान यह इमारत कई महत्वपूर्ण घटनाओं की गवाह बनी और 1860 के दशक में यह नई छावनी का केंद्र बन गई। हालांकि, समय के साथ इसकी स्थिति बिगड़ गई और अब यहां हरियाली और तितलियों का सुंदर दृश्य देखने को मिलता है। इस वॉक के दौरान सेवानिवृत्त आईआरटीएस एके श्रीवास्तव ने भी दिलकुशा कोठी के ऐतिहासिक पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि दिलकुशा कोठी गाजी उद दीन हैदर ने अपनी अंग्रेज पत्नी, सुल्तान मरियम बेगम के लिए बनवाया था।हेरिटेज वॉक हमें गोमती नदी के किनारे ले गई, जो इस ऐतिहासिक क्षेत्र की सुंदरता को और भी बढ़ा देता है। इस वॉक में आदाब अर्ज लखनऊ की संस्थापक इफ्फत खान के साथ रेखा कुमार, अजेश जायसवाल, इमराना अजमत, नेहा प्रवीण, रोशन सिंह, मनीष सक्सेना, आमिर रजा और श्रीवास्तव जैसे कई सदस्य शामिल हुए। यह वॉक लगभग 2.5 किलोमीटर लंबी थी और सभी प्रतिभागियों ने लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहर के साथ एक अद्भुत अनुभव साझा किया। ऐसे आयोजनों से न केवल लखनऊ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जानने का अवसर मिलता है, बल्कि ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण और संवर्धन की आवश्यकता भी स्पष्ट होती है।

सम्पादकीय.....

चीन पर कभी यकीन नहीं किया जा सकता

लगातार चार साल से चले आ रहे भारत चीन के बीच तनाव के कम होने के संकेत हैं। भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों को लेकर हाल में घटनाक्रम बहुत तेजी से घटा है। चीन भारत सीमा से सेना का पीछे हटना बहुत अच्छा है किंतु चीन की बात पर आंख मूंदकर यकीन नहीं किया जा सकता। समझौते करने के बाद अपनी बात से मुकरना उसकी आदत रही है। धोखा देना चीन का चरित्र है। उस पर पूरी तरह से नजर रखनी होगी। उसकी चाल के अनुरूप हमें अपना व्यवहार और तैयारी करना होंगी। भारत चीन सीमा विवाद के सुलझने के संकेत 12 सितम्बर को ही सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रिक्स एनएसए लेवल की समिट के साइडलाइन्स पर हुई उस बैठक के दौरान ही दिख गए थे जो एनएसए अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से बैठक के बाद जारी प्रेस नोट में इस बात का जिक्र था कि दोनों देशों ने बचे हुए क्षेत्रों में भी पूर्ण डिसएंगेजमेंट की दिशा में काम करने को लेकर सहमति जताई है। जानकार मानते हैं कि गतिरोध दूर करने करने की दिशा में ले जाने की प्रक्रिया एकाएक नहीं होती। इसके लिए बैकग्राउंड में काम होता रहता है। ओआरएफ में फेलो और चीन मामलों के जानकार कल्पित मणकिकर कहते हैं कि ऐसा एक लंबी प्रक्रिया के तहत होता है। दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और दोनों देशों के विदेश मंत्री लगातार मुलाकात करते आ रहे हैं। पिछले चार सालों से बॉर्डर मुद्दों को सुलझाने को लेकर कोशिशें लगातार हो रही है। सेना के कमांडर स्तर पर बातें अलग से होती रही हैं। भारत और चीन दोनों की ओर से इस तरह की कोशिशें की जा रही थी। हालांकि अब जो दिख रहा है, उसके मद्देनजर इस तरह की कोशिशें क्या दिशा लेंगी, इसे लेकर अभी वेट एंड वॉच की स्थिति में ही रहा जा सकता है। बॉर्डर पर आए गतिरोध के मद्देनजर विदेश मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की बैठकें किए जाने का एक मैकेनिज्म तैयार किया गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में सीमा मुद्दे पर 12 सितम्बर को कहा कि सैनिकों की वापसी से संबंधित मुद्दे लगभग 75 प्रतिशत तक सुलझ गए हैं लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर बढ़ते सैन्यीकरण का है। जिनेवा में थिंकटैंक के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जून 2020 में गलवन घाटी में हुए टकराव ने भारत–चीन संबंधों को समग्र रूप से प्रभावित किया। जयशंकर ने कहा कि विवादित मुद्दों का समाधान ढूंढ़ने के लिए दोनों पक्षों में बातचीत चल रही है। हमने कुछ प्रगति की है। मोटे तौर पर सैनिकों की वापसी संबंधी करीब तीन–चौथाई मुद्दों का हल निकाल लिया गया है। लेकिन इससे भी बड़ा मुद्दा यह है कि हम दोनों ने अपनी सेनाओं को एक–दूसरे के करीब ला दिया है और इस लिहाज से सीमा का सैन्यीकरण हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ टकराव वाले बिंदुओं पर गतिरोध बना हुआ है। भारत कहता रहा है कि सेना के पूर्व स्थान पर पहुंचे बिना सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति नहीं होगी, चीन के साथ संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जयशंकर ने कहा कि 2020 में जो कुछ हुआ, वह कुछ कारणों से कई समझौतों का उल्लंघन था जो अभी भी हमारे लिए पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हैं। चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बहुत बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया और स्वाभाविक रूप से जवाबी तौर पर हमने भी अपने सैनिकों को भेजा। 2020 की झड़प के बाद से दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जिसे वास्तविक नियंत्रण रेखा के रूप में भी जाना जाता है। भारत द्वारा उच्च ऊंचाई वाले हवाई अड्डे तक एक नई सड़क का निर्माण चीनी सैनिकों के साथ 2020 में होने वाली घातक झड़प के मुख्य कारणों में से एक माना जा रहा है। इस बार चीनी सेना के सीमा से पीछे हटने का कारण चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य वांग काबयान भी है। उन्होने इस बात पर जोर दिया कि अशांत विश्व का सामना करते हुए, दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में चीन और भारत को स्वतंत्रता पर दृढ़ रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि एकता और सहयोग का चयन करना चाहिए तथा एक–दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। वांग ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष व्यावहारिक दृष्टिकोण के जरिए अपने मतभेदों को उचित ढंग से हल करेंगे और एक–दूसरे के साथ मिलकर काम करने का उचित तरीका ढूंढेंगे। चीन–भारत संबंधों को स्वस्थ, स्थिर और सतत विकास के रास्ते पर वापस लाएंगे। इतना सब हो रहा है पर जरूरी यह है कि दोनों का मई 2020 की यथास्थिति पर वापस लौटना ही समाधान है। निश्चित रूप से पीछे हटना समाधान नहीं है। यदि निश्चित रूप से समाधान के रास्ते पर चले तो भारत नुकसान में ही रहेगा। इन सब को देखकर भारत को चलना होगा। मई 2020 की स्थिति पर चीन सहमत होगा, ऐसा नही लगता। सीमा विवाद के चार साल के दौरान समाचार आए की चीन सीमा पर नए हवाई अड्डे.सैनिक छावनी उनके लिए बंकर बना रहा है। अपने सीमा से सटे क्षेत्र में गांव विकसित कर रहा है। भारतीय क्षेत्र के स्थानों क नाम बदल रहा है। हांलाकि विवाद की अवधि में भारत ने भी सीमा पर सुरक्षा ढांचा विकसित किया है। नए एयरबेस तैयार कर रहा है। ठंडे स्थानों में रहने के लिए सैनिकों को प्रशिक्षित करने के साथ ही उनके लिए बर्फ के दौरान भी रहने के लिए सोलर से गर्म करने वाले उनके टैंट बना रहा है। इस प्रक्रिया को भारत का और तेज करना होगा। सीमा रेखा के सटाकर गांव विकसित करने होंगे तोकि चीन की गतिविधि पर नजर रखी जा सके। एक तरह से चीन की प्रत्येक कार्रवाई का उत्तर उसके कदम ही से आगे बढकर देना होगा। एक बात और चीन कभी का काबू में आ गया होगा, काश हम भारतीय सही अर्थ में देशभक्त होते। मई 2020 में चीन से विवाद होने पर भारतीयों की फेसबुक पर बड़ी देशभक्ति दिखाई दी। लगाकि अब भारत में चीन का बना सामान नही आएगा। दीपावली पर व्यापारियों के आंकड़े भी आए कि चीन से बना कोई सामान नही मंगाया गया। जबकि आंकड़े इसके विपरीत हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार वित्त वर्ष 2023–24 में भारत और चीन के बीच कुल 118.4 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। वहीं, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार 118.3 अरब डॉलर रहा। 2021–22 और 2022–23 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार अमेरिका रहा था। अब चीन है। अमेरिका से हम अस्त्र.शस्त्र जैसे महंगे सामान लेते हैं। इसलिए वहां से आयात जयादा होना चाहिए था। चीन जानता है कि भारतीय और भारतीय व्यापारी सस्ते के लालच में उसका ही माल खरीदेंगे। इसलिए वह हठधर्मी पर है, यदि चीन का आयात दस प्रतिशत भी घट गया होता तो चीन कभी का भारत के आगे झुककर समझौता करने को मजबूर हो जाता।

क्या न्यायाधीश चंद्रचूड होंगे अगले लोकपाल

प्रेम शर्मा

लोकपाल में एक अध्यक्ष और अधिकतम आठ सदस्य होते हैं। इनमें से कम से कम आधे सदस्य, सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश होते हैं।

देर से ही सही, लोकपाल के जांच प्रकोष्ठ के गठन से लोगों में भ्रष्टाचार निवारण की दिशा में उल्लेखनीय नतीजों की उम्मीद जगी है। लोकसेवकों में गलत तरीके से पैसा कमाने की भूख और रिश्वत लेकर अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने, सरकारी योजनाओं में गतिरोध और हानि पैदा करने की प्रवृत्ति किसी से छिपी नहीं है। इस वातावरण को तभी ठीक किया जा सकता है। जब लोकसेवकों की अनियमितताओं पर लगाम लगाई जा सके। न्यायमूर्ति पिनाकी चंद्र घोष ने दो साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद मई 2022 में सेवानिवृत्त हो गए। हालॉकि इनके कार्यकाल में कोई विशेष उपलब्धि हासिल नही हो पाई। तब से लेकर अब तक लोकपाल का पद रिक्त है। एक बार फिर लोकपाल नियुक्ति को लेकर हलचल तेज हुई है। हालांकि कुछ लोग यह संशय व्यक्त करते रहे हैं कि लोकपाल और लोकायुक्त की नियुक्ति में भी राजनीतिक दखल होती है, इसलिए वे कितने निष्पक्ष रह पाएंगे। कहना मुश्किल है। मगर एक विशाल जनसमुदाय और बड़े प्रतिबद्ध प्रबुद्ध समाज की इच्छा से गठित इस संस्था से भ्रष्टाचार निवारण को लेकर निष्ठा और निष्पक्षता की उम्मीद फिलहाल कमजोर नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि अगर चुनाव आयोग के तत्कालीन मुख्य निर्वाचन आयुक्त टी.एन. शेषन की तरह या फिर डॉ. ६ानंजय वाई चंद्रचूड़ को लोकपाल नियुक्त किया जाता है तो देश की में फैले प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर काफी हद तक लगाम लग सकती है। हालॉकि गत दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्रीगणेश उत्सव के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ के घर की पूजा को लेकर इस बॉत के कायस लगाए जा रहे है कि उनकी दो साल की लम्बी सेवा के उपरान्त 10 नवम्बर 2024 को सेवानिवृत्ति के बाद मोदी सरकार कोई अहम ओहदा दे सकती है। वैसे भी यह सभी जानते है कि व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अहम पदों पर नियुक्ति को लेकर चौकाने वाले नाम लेकर सामने आते है। ऐसे में इस बॉत में कोई संशय नही कि लगातार सरकार को उसकी कामियॉ दिखाने वाले मुख्य न्यायाधीश ६ानंजय वाई चंद्रचूड़ ही अगले लोकपाल के रूप में दिखाई पडें। भ्रष्टाचार पूरी दुनिया के सामने विकास और खुशहाली में बाधा है। दुनिया के हर देश ने इस पर अंकुश लगाने का तंत्र विकसित कर रखा है। हर देश में अपने अपने तरीके, कानून के माध्यम से प्रशासन की जवाबदेही तय करने की कोशिशें की जाती हैं। मगर हमारे यहां इस मामले में ज्यादातर नाकामी ही नजर आती है। इसलिए लंबे समय से मांग की जाती रही कि लोकपाल और लोकायुक्त के गठन संबंधी कानून बनना चाहिए। करीब बारह वर्ष पहले इसे लेकर बड़ा आंदोलन हुआ, जिसके दबाव में लोकपाल अधि ानियम पारित हुआ। लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम के तहत, केंद्र में लोकपाल और हर राज्य में लोकायुक्त की नियुक्ति की जाती है। लोकपाल और लोकायुक्त, सार्वजनिक पदाधिकारियों के खध्लिाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करते हैं। लोकपाल में एक अध्यक्ष और अधिकतम आठ सदस्य होते हैं। इनमें से कम से कम आधे सदस्य, सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश या उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश होते हैं। विदेश में लोकपाल जैसी संस्था काफी साल पहले से है। लेकिन भारत में इसका प्रवेश साल 1967 में हुआ। उस वक्त पहली बार भारतीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों को लेकर लोकपाल संस्था की स्थापना का विचार रखा था। हालांकि इसे स्वीकार नही किया गया। इस बिल को लेकर समाजसेवी अन्ना हजारे ने एक अनशन किया और वो एक बड़ी लड़ाई में तब्दील हो गई. उसके बाद लोकसभा ने 27 दिसंबर, 2011 को लोकपाल विधेयक पास किया गया। फिर 23 नवंबर 2012 को प्रवर समिति को भेजने का फैसला किया। लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 को संसद ने साल 2014 में पारित किया था और राष्ट्रपति ने इसे 1 जनवरी, 2014 को मंजूरी दी थी। काफी जद्दोजहद के बाद भारत के पहले लोकपाल न्यायमूर्ति पिनाकी चंद्र घोष बने थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत के मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, और लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने 23 मार्च, 2019 को उन्हें भारत का पहला लोकपाल नियुक्त किया था।लोकपाल की नियुक्ति का मामला करीब पांच वर्ष तक इस तर्क के आधार पर टलता रहा कि लोकसभा में कोई विपक्ष का नेता नहीं था। लोकपाल अध्यक्ष की नियुक्ति में विपक्ष के नेता का होना जरूरी है। आखिरकार पांच वर्ष पहले लोकपाल का गठन हुआ। मगर अभी तक वह पूरी तरह कार्य करने की स्थिति में नहीं आ सका है। अब लोकपाल के जांच प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस प्रकोष्ठ में लोकपाल अध्यक्ष के अधीन एक जांच निदेशक होगा, जिसे तीन पुलिस अधीक्षक मदद करेंगे। प्रत्येक पुलिस अधीक्षक को जांच अधिकारी और अन्य कर्मचारियों की सहायता प्रदान की जाएगी। इस तरह उम्मीद बनी है कि अब लोकसेवकों की अनियमितताओं के खिलाफ कुछ कड़े कदम उठाए जा सकेंगे। हालांकि भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत पहले से कई जांच एजंसियां काम करती हैं। हर महकमे के कर्मचारी पर वहां का सतर्कता विभाग नजर रखता और उसके खिलाफ शिकायतों का निपटारा करता है। केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग भी संबंधित मामलों में जांच करते ही हैं। लेकिन इन एजेसिंयो पर लगातार उगली उठती रही है। इन एजंसियों को सरकार के इशारे पर काम करने का आदी बताया जाता है। इन पर सत्तारूढ़ दल के दबाव में काम करने की प्रवृत्ति बताई जाती रही है। मगर प्रशासनिक सुधार आयोग का मानना था कि लोकपाल और लोकायुक्त के गठन से लोकसेवकों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई हो सकेगी। दूसरी जांच एजंसियों पर चूंकि राजनीतिक प्रभाव अधिक देखा गया है, इसलिए उनसे भ्रष्टाचार के मामले में निष्पक्षता की उम्मीद धुंधली बनी रहेगी। पर शायद सरकारों को लोकपाल और लोकायुक्त के गठन से इसीलिए हिचक पैदा होती रही कि उसके दायरे में प्रधानमंत्री तक को रखा गया है। फिर, लोकपाल और लोकायुक्त स्वतंत्र निकाय की तरह काम करेंगे, उन्हें दूसरी एजंसियों की तरह किसी अधिकारी के खिलाफ जांच करने के लिए संबंधित विभाग से अनुमति की जरूरत नहीं होगी। कई सरकारों को लगता रहा है कि इस तरह उनके कामकाज में बाधाप ड़ सकती है। शायद यही कारण है कि अब भी कई राज्य सरकारों ने अपने यहां लोकायुक्त का गठन नहीं किया है।

आर्थिक तंत्र पर बोझ बनती प्राकृतिक विपदाएं

आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से सदैव से बाहर होती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है । आर्थिक तंत्र,विकास नष्ट हो जाते हैं। आपदा की विद्रूपता, भयानक स्वरूप एवं निरंतरता मानव जीवन और समाज और देश को बड़ी हानि पहुंचाकर उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जातें हैं। आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर अन्य आपदाओं के साथ सतर्क होकर कार्रवाई की जानी चाहिए। आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग के व्यक्ति तथा मजदूर तबके के व्यक्ति प्रभावित होतें हैं उनकी दिनचर्या सामूहिक रूप से छिन्न–भिन्न हो जाती है आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका की एक बडी विडंबना सताने लगती है। भारत के भू भाग का लगभग 58: क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68: भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12: है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना रहती है।भारत नें विश्व के साथ–साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लडी है, यह कोविड–19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया था। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ–साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी। भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त–दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात,सुनामी,भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड–19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है ।ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग–अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। ईस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। परंतु पिछले 3 वर्षों से करोना संक्रमण से हुई बड़ी संख्या में मृत्यु ने देश को हिला कर रख दिया था।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता एवं उस सिस्टम के अधिकारी जिम्मेदार व्यक्ति सचेत एवं सजग रहते, तो द्वितीय लहर में इस तरह हड़कंप संक्रमण एवं मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए–नए उपाय करने चाहिए क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती है।

अंधविश्वास, धार्मिक जुनून के मनोवैज्ञानिक समाधान की दरकार

संजीव ठाकुर

अशिक्षा और अज्ञानता अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे गहरा मनोवैज्ञानिक मानवीय पहलू छुपा हुआ है। इसका समाधान सर्वप्रथम हमें खोजना होगा,यह सामाजिक तौर पर भी बड़ी समस्या है। यदि कम पढ़ा लिखा आदमी धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े–लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात हैस यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है। शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता हैस उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक हैस शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिएस बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत ,राहु केतु,काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है। ऐसे तंत्र मंत्र और भविष्य के दर्शन कराने वाले तांत्रिकों का विज्ञापन न सिर्फ बड़े–बड़े अखबारों में बल्कि स्थापित टीवी चौनलों में भी खुल कर दिया जाता है जिससे न सिर्फ अनपढ़, अंधविश्वासी बल्कि शिक्षित लोग भी झांसे में आकर बड़ी धनराशि से हाथ धो बैठते हैं। विकसित यूरोपीय देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, फ्रांस, इजरायल तथा अन्य देशों में भी अंधविश्वास व्याप्त है किंतु भारत में अशिक्षा के कारण इसकी जड़ें थोड़ी गहरी व्याप्त हैं।

कभी आरजे रहे आयुमान खुराना ने जब अपनी मेहनत से अपना पूरा करियर ही बदल डाला

साल 2019 में एकता कपूर के बैनर तले एक फिल्म आई थी। फिल्म का नाम था 'ड्रीम गर्ल'। फिल्म का निर्देशन किया था राज शांडिल्य ने। फिल्म में मुख्य भूमिका में थे अभिनेता आयुष्मान खुराना। फिल्म में आयुष्मान खुराना पूजा और जुबैदा के नाम से महिलाओं की आवाज में प्यार–मोहब्बत की बातें कर उनका बिल बढ़ाकर अपने मालिक का फायदा कराते हुए दिखते हैं। फिल्म की खासियत आयुष्मान खुराना की महिला की मदहोश करती आवाज में बात करने की कला होती है। उनकी इस कला की वजह से फिल्म सुपर–डुपर हिट होकर 200 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर गई। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना की एक्टिंग ने उन्हें एक बड़े और सफलतम एक्टर की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया। एक रेडियो जॉकी के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत करने वाले आयुष्मान खुराना ने बॉलीवुड में सफलता का झंडा गाड़ दिया। 2012 में आयुष्मान खुराना ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत फिल्म विक्की डोनर से की थी। इस फिल्म ने स्पर्म डोनेशन जैसे अनूठे विषय को इतनी शालीनता से दिखाया कि फिल्म के साथ–साथ आयुष्मन को भी खूब सुर्खियां मिली। आयुष्मान की एक्टिंग और फिल्म में उनके गाए गाने पानी दा रंग ने उन्हें विशेष पहचान दिला दी। अपनी शानदार शुरुआत के लिए उन्होंने फिल्मफेयर अवार्ड्स में बेस्ट मेल डेब्यू और बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार भी मिला। हालांकि, विक्की डोनर के बाद उनकी कुछ फिल्में जैसे नौटंकी साला, बेवकूफियां, और हवाईजादा बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। लेकिन आयुष्मान ने दम लगा के हईशा, बरेली की बर्फी, बधाई हो, ड्रीम गर्ल, बाला, और शुभ मंगल ज्यादा सावधान जैसी फिल्मों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों और आलोचकों की खूब तालियां बटोरी। आयुष्मान के फिल्म की खासियत रही कि वह एक संदेश प्रधान फिल्मों के साथ पर्दे पर नजर आते रहे। भले ही फिल्में छोटी बजट की क्यों ना रही हों लेकिन आयुष्मान के अभिनय ने फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को खूब बढ़ाया। उन्होंने अपना करियर बतौर रेडियो जॉकी और एंकर के तौर पर शुरू किया था। लेकिन उन्हें दुनिया में पहचान मिली 2004 में एमटीवी के शो रोडीज से। जहां उन्होंने इस शो को जीतकर देश और दुनियां में अपने टैलेंट का लोहा मनवाया। इससे पहले उन्होंने दिल्ली के बिग एफएम में एक आरजे के रूप में भी काम किया। रेडियो की दुनिया को छोड़ने के बाद, उन्होंने एमटीवी के कई शोज में वीडियो जॉकी के रूप में काम किया और बाद में टीवी पर भी इंडियाज गॉट टैलेंट और म्यूजिक का महामुकाबला जैसे शो होस्ट किए। 4 सितंबर 1984 को चंडीगढ़ में जन्मे आयुष्मान ने अपनी शिक्षा वहीं से प्राप्त की। स्कूलिंग के बाद, उन्होंने इंग्लिश लिटरेचर में ग्रेजुएशन और मास कम्यूनिकेशन में मास्टर्स डिग्री हासिल की। ग्लैमर इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले, वे स्थानीय थिएटर में पांच साल तक काम कर चुके थे, जिससे उनके अभिनय में एक विशेष गहराई आई। आयुष्मान खुराना के पिता पी. खुराना एक नामी एस्ट्रोलॉजर थे। ऐसे में पिता ने पहले ही खुराना की कुंडली देख ली थी। आयुष्मान जब छोटे थे तभी उनके पिता ने बोल दिया था कि उनका बेटा बड़ा स्टार बनेगा। आयुष्मान खुराना ने अपने पिता के कहने पर ही अपने नाम में एक्स्ट्रा एन और सरनेम में एक्स्ट्रा आर लगाया था।

> आयुष्मान की एक्टिंग और फिल्म में उनके गाए गाने पानी दा रंग ने उन्हें विशेष पहचान दिला दी। अपनी शानदार शुरुआत के लिए उन्होंने फिल्मफेयर अवार्ड्स में बेस्ट मेल डेब्यू और बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार भी मिला।

मिनिस्टर की बेटी ने गोविंदा के घर नौकरानी बनकर किया काम, पत्नी सुनीता ने बताया चौंकाने वाला किस्सा

गोविंदा का नाम 90 के दशक के सुपरस्टार्स की लिस्ट में शुमार है। एक समय पर एक्टर का स्टारडम अपने चरम पर था और वो लड़कियों के क्रश हुआ करते थे। हाल ही में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने एक क्रेजी फैन मोमेंट शेयर किया है। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक मंत्री की बेटी गोविंदा के घर में 20 दिनों तक नौकरानी बनकर रही थी। वो किस्सा जानकर आप भी दंग रह जाएंगे। टाइमआउट विद अंकित से बातचीत के दौरान गोविंदा की पत्नी सुनीता ने खुलासा किया कि कैसे एक बार गोविंदा की एक फैन उनके घर पर 20 दिनों तक नौकरानी बनकर रही थी। सुनीता ने कहा– 'एक फैन थी जो नौकरानी बनकर आई थी और वह करीब 20–22 दिनों तक हमारे साथ रही।' सुनीता का कहना है कि उस लड़की और उसके काम को देखने के बाद उन्हें शक हुआ कि कुछ गड़बड़ है। सुनीता ने कहा– 'मुझे लगा कि वह किसी अच्छे परिवार से है। मैंने अपनी सास से कहा कि उसे बर्तन धोना या घर की सफाई करना नहीं आता। आखिरकार हमें पता चला कि वह एक मंत्री की बेटी थी और गोविंदा की प्रशंसक थी। मैं उस समय छोटी थी लेकिन मुझे शक हुआ। वह गोविंदा के इंतजार में देर तक जागती रहती थी। ये सब देखकर मैं हैरान रह गई।' गोविंदा की पत्नी ने आगे कहा– 'आखिरकार मैंने उसका बैकग्राउंड चेक करवाया। फिर उसने रोते हुए हमसे बात की और कबूल किया कि वह गोविंदा की फैन है। फिर उसके पिता आए और अपने साथ चार कारें लेकर आए। मुझे लगता है कि उसने हमारे साथ करीब 20 दिन काम किया। ऐसी है उनकी फैन फॉलोइंग।' पॉडकास्ट में सुनीता से बिग बॉस को लेकर भी सवाल किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा– 'मेकर्स मुझे बुलाने के लिए दो बार मेरे पास आए और मैंने उनसे कहा, क्या आप पागल हैं? आपको लगता है कि मैं टॉयलेट साफ करती हूं? आप मुझे ये ऑफर कर रहे हैं, लेकिन मुझे बताएं कि क्या लोग शाहरुख खान की पत्नी से भी यही सवाल पूछेंगे? क्या आपको लगता है कि हम आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे हैं? मैं बिग बॉस भी नहीं देखती।

सुशांत सिंह राजपूत को याद कर इमोशनल हुई परिणीति चोपड़ा, 'शुद्ध देसी रोमांस' से जुड़ा पोस्ट किया शेयर

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म शुद्ध देसी रोमांस ने हाल ही में अपनी रिलीज के 11 साल पूरे कर लिए हैं। परिणीति ने सुशांत सिंह राजपूत को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। आपको बता दें सुशांत और परिणीति ने फिल्म शुद्ध देसी रोमांस में एक साथ काम किया है। सुशांत का निधन चार साल पहले हो गया था। वह सिर्फ 34 साल के थे। जानिए परिणीति ने दिवंगत अभिनेता के बारे में क्या कहा। परिणीति चोपड़ा और सुशांत सिंह राजपूत ने फिल्म शुद्ध देसी रोमांस में साथ काम किया था। मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वाणी कपूर भी मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म में तीनों को खूब पसंद किया गया था। 2013 में रिलीज हुई इस फिल्म को हाल ही में 11 साल पूरे हुए। हाल ही में परिणीति चोपड़ा ने दिवंगत एक्टर की याद में एक पोस्ट शेयर की है। परिणीति चोपड़ा ने सुशांत सिंह राजपूत के साथ शुद्ध देसी रोमांस में बिताए मजेदार पलों को याद किया। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शुद्ध देसी रोमांस का एक गाना बज रहा है और परिणीति–सुशांत की झलकियाँ हैं। क्लिप शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, "मुझे यह बहुत पसंद आया। सुशांत तुम्हारी याद आती है। हमने इसमें बहुत मजा किया।" एक्ट्रेस परिणीति के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह इस साल रिलीज हुई फिल्म चमकीला में नजर आई थीं। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया था। दिलजीत दोसांझ के साथ परिणीति की जोड़ी और उनकी अदाकारी को काफी सराहा गया था। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इससे पहले वह आखिरी बार बड़े पर्दे पर अक्षय कुमार के साथ फिल्म मिशन रानीगंज में नजर आई थीं। एक फैन ने रिलेशनशिप को लेकर एक पोस्ट में यह वीडियो शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए फैन ने कहा, 'रिलेशनशिप हमारी भी हुई है३ पर ये शादी और कमिटमेंट कुछ और बात है।' कमेंट में फैन्स ने अपनी पुरानी यादें शेयर कीं, एक ने लिखा, 'बॉलीवुड और ल्थ के इस दौर को मिस कर रहा हूं' तो दूसरे ने कमेंट किया, 'क्या मुझे इस स्कूल में प्रमोट किया गया है।' एक और यूजर ने कहा, शुद्ध देसी रोमांस अपने समय से बहुत आगे था। इस फिल्म में बहुत अच्छी थीं और यह एडिटिंग कमाल की है।

आयुष्मान खुराना के पैर क्यों छूते हैं अपारशक्ति खुरानां? ऐसा करने की वजह जानकर दंग रह जाएंगे आप

अपारशक्ति खुरानां ने अपनी दमदार एक्टिंग से आज बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बना ली है. फिलहाल एक्टर अपनी लेटस्ट रिलीज 'स्त्री 2' की बंपर सक्सेस एंजॉय कर रहे हैं. वहीं अपारशक्ति की सस्पेंस थ्रिलर बर्लिन भी हाल ही में रिलीज हुई है जिसे काफी पसंद किया जा रहा है. ज्यादातर फिल्मों में अपनी शानदाक कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाने वाले अपराशक्ति की अपने भाई आयुष्मान खुराना के साथ भी एक शानदार केमिस्ट्री है. दोनों ही भाई इंडस्ट्री के जाने–पहचाने चेहरे बन चुके हैं.वहीं एक लेटेस्ट इंटरव्यू में अपारशक्ति खुराना ने खुलासा किया कि उन्होंने एक बार आयुष्मान के साथ लड़ाई की थी और फिर उनकी खूब पीटाई हुई थी इसके साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि कैसे उनकी आयुष्मान के पैर छूने की परंपरा शुरू हुई. अपारशक्ति खुराना, की ब्लॉकबस्टर फिल्म स्त्री 2 सिनेमाघरों में एक महीने बाद भी बवाल काट रही है. वहीं हाल ही में डिजिटल कमेंट्री के साथ बातचीत में अपारशक्ति खुराना ने अपने बडे भाई आयुष्मान खुराना संग बचपन में हुई अपनी लड़ाई के बारे में बात की. एक्टर ने बताया कि जब वह सिर्फ 8–9 साल के थे, तो उन्हें पता नहीं था कि उन्हें बड़े भाई का सम्मान कैसे करना है या उन्हें क्या कहना है. इसके बाद अपारशक्ति को याद आया कि कैसे एक बार उनकी अपने भाई से लड़ाई हो गई थी, जिससे उनके प्रति उनका नजरिया बदल गया था. अपारशक्ति ने कहा था, "फिर एक दिन, जब हम खेल रहे थे, हमारा झगड़ा हो गया और मैंने उसे 'साला' या 'कमीना' या कुछ और कहा और उस दिन मेरी बहुत पिटाई हुई. उसके बाद निष्कर्ष यह निकला कि आज से तुम उन्हें 'भैया' कहोगे और रोज सुबह उनके पैर छुओगे और यही एकमात्र तरीका है जिससे तुम इस घर में रह सकते हो, या घर में नहीं रह सकते. जब अपारशक्ति से उनके भाई के साथ रिश्ते के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि लड़ाई और नए नियम के बाद, लड़ने की गुंजाइश कम हो गई और इस तरह उनका "पुराना स्कूल राम–लक्ष्मण" बॉन्ड शुरू हो गया. उन्होंने छोटे शहर में हुई अपनी परवरिश का शुक्रिया अदा किया, जिसकी वजह से उनके और आयुष्मान के बीच का रिश्ता आज भी बरकरार है।

लंदन में फैंस को देखकर भागी रवीना, अब अपनी गलती मानते हुए कहा- प्लीज मुझे माफ कर देना

अभिनेत्री रवीना टंडन ने प्रशंसकों से माफी मांगी है क्योंकि उन्होंने उनके साथ तस्वीरें नहीं ली थी।लंदन में मौजूद अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें कुछ पुरुषों से डर लग रहा था जो उनके पास आ रहे थे, जिसके कारण उन्हें चलते रहना पड़ा। रवीना ने बांद्रा में हुई एक पुरानी घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वह अभी–भी उबर नहीं सकी हैं, जहां उनको लेकर झूठी बातें फैलाई गइ थी। रवीना ने एक्स पर लंबा चौड़ नोट शेयर किया, जिस पर लिखा था– ष्हाय, यह सिर्फ रिकॉर्ड पर रखने के लिए है। कुछ दिन पहले लंदन में मैं पैदल जा रही थी और कुछ लोग मेरे पास आए। मैंने वैसे भी यहां बहुत अच्छी बातें नहीं सुनी हैं, इसलिए जब उन्होंने पूछा कि क्या मैं वही हूं जो मैं हूं, तो मैं थोड़ा पीछे हट गई। और मेरा पहला सहज भाव था कि मैं ना कहूं और और भी तेजी से वहां से चली जाऊं क्योंकि मैं अकेली थी। उन्होंने लिखा– मुझे लगता है कि वे सिर्फ एक तस्वीर चाहते थे, और मैं ज़्यादातर समय उनकी बात मान लेती हूं, लेकिन कुछ महीने पहले बांद्रा में हुई घटना के बाद, मैं थोड़ी घबरा गई हूं और सदमे में आ गई हूं। इसलिए जब मैं लोगों के साथ होती हूं तो मुझे कोई परेशानी नहीं होती, लेकिन अकेले होने पर मैं इन दिनों थोड़ी घबरा जाती हूं। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि उनका इरादा फैंस को अपमानित करने का नहीं था। उन्होंने अपने माफीनामा में लिखा–मुझे शायद उन्हें एक तस्वीर देनी चाहिए थी क्योंकि शायद वे निर्दोष प्रशंसक थे, लेकिन मैं घबरा गई और तेजी से चली गई और बस एक सुरक्षाकर्मी से मदद मांगी। मुझे इस घटना के बाद वास्तव में बुरा लगा है और अगर वे पढ़ रहे हैं तो मैं इस माध्यम से उनसे माफी मांगना चाहूंगी, कि मेरा इरादा अपमान करने का नहीं था। मुझे वास्तव में खेद है। उम्मीद है कि मैं आपसे फिर से मिल पाऊंगी और शायद आपके साथ एक तस्वीर क्लिक कर पाऊंगी।

रवीना ने आगे लिखा–मैं सुलभ और सामान्य रहने की पूरी कोशिश करती हूं, लेकिन कभी–कभी मैं असफल हो जाती हूं। बहुत खेद है दोस्तों। मुझे उम्मीद है कि आप इसे पढ़ रहे हैं और जानते हैं कि, मुझे घबराना नहीं चाहिए था। जून की शुरुआत में, रवीना का एक वीडियो ऑनलाइन वायरल हुआ था, जिसमें महिलाओं के एक समूह ने उन पर और उनके ड्राइवर पर कथित तौर पर नशे में होने पर उन पर हमला करने का आरोप लगाया था। हालांकि, बाद में यह स्पष्ट किया गया कि वह उस समय नशे में नहीं थीं।

रात के बचे हुए चावल से बनाएं स्पाइसी फ्राइड राइस, बच्चों से लेकर बड़े सब हो जाएंगे स्वाद के दीवाने

आइए आपको फ्राइड राइस की रेसिपी बताते हैं। ज्यादातर घरों मे रोज चावल बनते हैं। हालांकि, कई बार चावल ज्यादा ही बन जाते हैं। तो ऐसे में बचे हुए चावल खाना हर कोई पसंद नहीं करता। फेकने से अच्छा है कि आप घर में बचे हुए चावल चाइनीज फ्राइड राइस बना सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

सामग्री

– 2 कप चावल
– 3 बड़े चम्मच तेल
– 1 चक्र फूल
– 1 चम्मच बारीक कटा हुआ लहसुन
– आधा चम्मच बारीक कटा हुआ अदरक
– आधा कप बारीक कटी पत्तागोभी
– आधा कप बारीक कटी शिमला मिर्च
– एक बड़ा चम्मच कटा हुआ हरे प्याज का सफेद हिस्सा
– 2 बड़े चम्मच बारीक कटी हुई फ्रेंच बीन्स
– 2 बड़े चम्मच हरे प्याज के पत्ते
– 1 कप पनीर कटा हुआ
– 1 बड़ा चम्मच सोया सॉस
– 1 चम्मच सिरका
– आधा चम्मच काली मिर्च पाउडर
– नमक

इस तरह से बनाएं फ्राइड राइस

– सबसे पहले आप कड़ाही में तेल गर्म करें। इसके बाद चक्रफूल डालें और उसे खुशबू आने तक भूनें।

– फिर इसमें लहसुन, अदरक डालें और कुछ सेकंड तक भूनें। लहसून को भूरा करने की जरुरत नहीं है। इसमें हरे प्याज का सफेद भाग डालें और लगभग 2 मिनट तक भूनें। फिर इसमें कटी हुई फ्रेंच बीन्स डालें।

– इसको चलाते हुए भूनें। इसके बाद आप पनीर और बाकी कटी हुई सब्जियों को इसमें डालें। सभी सब्जियों को अच्छी तरह से पकाने के लिए आंच को तेज करें।

– याद रखें कि सब्जियों को लगातार चलाते रहें। सब्जियों को तेज आंच पर ही भूना जाता है ताकि उनका कुरकुरापन बरकरार रहे।

– इसके बाद आप इसमें सोया सॉस, नमक और काली मिर्च डालें। तेजी से मिलाते हुए इसमें चावल डालें। फिर इसे भूनें जब तक कि सॉस चावल पर अच्छी तरह चढ़ न जाए। जब सब मिक्स हो जाए तो हरी प्याज के पत्ते से गार्निश करके सर्व करें।

धनिया जूस पीने से सेहत को मिलते हैं ये 4 जबरदस्त फायदे, डाइट में करें शामिल

गलत खानपान और खराब जीवनशैली के चलते लोगों में बीमारियां ज्यादा बढ़ रही है। खुद को फिट रखने की बजाय बाहर का जंक फूड खाकर खुद ही बीमारियों के चपेट में आ रहे हैं। हेल्दी रहने के लिए खानपान का विशेष ध्यान देना जरुरी है। कॉरिऐंडर जिसे आमतौर पर धनिया के नाम से जाना जाता है, यह एक जड़ी बूटी है जो न केवल भारतीय व्यंजनों में सजाने के लिए उपयोगी है बल्कि इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। इनका नियमित रूप से सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, पाचन में सहायता मिलती है, हृदय संबंधी समस्याएं कम होती हैं और वजन घटाने में मदद मिलती है। हमारे व्यंजनों में प्राकृतिक सुगंध जोड़ने वाली ये हरी पत्तियां विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे स्वस्थ पोषक तत्वों से भरपूर हैं। आप रोज सुबह अपने आहार में धनिये का जूस शामिल कर सकते हैं।

पाचन में सुधार करता है

रोजाना सुबह एक छोटा गिलास धनिये का जूस पीना पाचन संबंधी समस्याओं के लिए सबसे अच्छा घरेलू उपाय हो सकता है। यह पाचन एंजाइमों के उत्पादन को बढ़ाता है, जो पाचन में सहायता करता है और सूजन, गैस और अपच को कम करता है। खाली पेट इसका सेवन करने से जूस को अन्य खाद्य पदार्थों में रुकावट के बिना अपना जादू चलाने में मदद मिलती है। यह पेट फूलना और अन्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल असुविधा से राहत दिलाने में भी मदद कर सकता है।

वजन प्रबंधन

जो लोग अपना वजन घटाना चाहते हैं तो वे धनिया का जूस रोजाना पी सकते हैं। धनिया में कैलोरी कम होती है और इसमें ऐसे यौगिक शामिल होते हैं जो चयापचय में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, इसकी मूत्रवर्धक विशेषताएं विषाक्त पदार्थों और अतिरिक्त पानी के वजन को हटाने में सहायता करता है।

ब्लड शुगर को कंट्रोल करता है

मधुमेह रोगियों और उच्च ब्लड शुगर के स्तर से पीड़ित लोगों के लिए, धनिया का जूस एक फायदेमंद अतिरिक्त हो सकता है। धनिया ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। धनिया का जूस खाली पेट पीने से पूरे दिन ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर रखने में मदद मिल सकती है।

इम्यूनिटी बूस्ट होती है

विटामिन, खनिज और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर धनिया आपके रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। धनिया में विटामिन सी होता है, जो संक्रमण को रोकने में सहायता करता है और शरीर की रक्षा तंत्र को मजबूत करता है। इसके नियमित सेवन से सर्दी, फ्लू और आंखों की बीमारियों जैसी सामान्य बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

नॉनवेज अच्छा नहीं लगता तो खाएं ये शाकाहारी चीज, ताकत और विटामिन से भरा

कई लोगों को चिकन–मटन खाना अच्छा नहीं लगता तो ऐसे लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। नॉन वेज के बिना भी भरपूर ताकतवर और मजबूत बन सकते हैं। आप ऑयस्टर मशरूम को खाकर देखें, यह कई किस्मों में आता है और काफी स्वादिष्ट लगता है। मशरूम एक ऐसा वेजिटेरियन फूड है जो प्रोटीन के मामले में कई नॉन वेज फूड्स को कड़ी टक्कर देता है। इसे खाने से न केवल हड्डियों को मजबूती मिलती है, बल्कि यह कैंसर जैसे गंभीर रोगों के खतरे को भी कम करता है। मशरूम में मौजूद पोषक तत्व सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। आइए जानते हैं इसके अद्भुत पोषक तत्वों और स्वास्थ्य लाभों के बारे में।

धूप नहीं ले पाते तो खाएं ये मशरूम

धूप से विटामिन डी मिलता है जो कैल्शियम का मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है। हड्डियों के ढांचे के साथ यह आपके कॉग्नीटिव फंक्शन को सुधारता है और दिमाग की कमजोरी से बचाता है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के मुताबिक 100 ग्राम ढींगरी मशरूम के अंदर 29 प्‍ विटामिन डी होता है जो कई खाद्य पदार्थों के मुकाबले ज्यादा है।

मसल्स पर चढ़ेगा मांस

मशरूम को ढींगरी मशरूम भी कहते हैं। इसमें प्रोटीन, फाइबर, नियासिन, पैंटोथेनिक एसिड होता है जो शरीर की कमजोरी दूर करता है। इसे खाने से आपको विटामिन डी भी मिलता है जो हड्डियों को पत्थर बनाने के साथ कैल्शियम का इस्तेमाल बढ़ाता है। मसल्स बढ़ाने के लिए भी मशरूम खाएं। यह मसल्स विकसित करने और रिपेयरिंग में मदद करता है। इसमें कई प्रकार के अमिनो एसिड होते हैं जिन्हें इस्तेमाल करके सेल्स का विकास होता है। अगर आप रोजाना पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन लेंगे तो आपको कमजोरी और थकावट महसूस नहीं होगी।

डायबिटिक लोगों की पसंद

एक्सपर्ट्स डायबिटीज के पेशेंट्स को ऑयस्टर मशरूम की सलाह देते हैं। शोध में देखा गया है कि मशरूम खाने से डाइट लेने के बाद ब्लड शुगर तेजी से नहीं बढ़ता। यह शुगर लेवल बढ़ाने वाले प्रोटीन को रोक देता है। जिससे डायबिटिक पेशेंट्स इस बीमारी को सफलतापूर्वक कंट्रोल कर सकते हैं।

सेल्स नहीं होंगी डैमेज

हर दिन शरीर में कई सारे मेटाबॉलिक रिएक्शन होते हैं। इस दौरान फ्री रेडिकल निकलते हैं और सेल्स को डैमेज कर सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको एंटीऑक्सीडेंट्स की जरूरत पड़ती है जो ढींगरी मशरूम देता है। एंटीऑक्सीडेंट्स इंफ्लामेशन को कम करने में भी मदद करते हैं।

ट्यूमर भी हो सकता है खत्म?

टेस्ट ट्यूब स्टडीज में मशरूम के कुछ कंपाउंड्स में ट्यूमर को खत्म करने की क्षमता पाई गई है। इन अध्ययनों में ऐसे तत्वों की पहचान की गई है जो ट्यूमर के विकास को रोकने या उसे नष्ट करने की ताकत रखते हैं। हालांकि, इन एंटी–ट्यूमर प्रभावों को लेकर इंसानों पर अभी और शोध ा किया जाना बाकी है, जिससे इस संभावना की पूरी तरह से पुष्टि हो सके। यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है। यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता। ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

कब्ज को अलविदा कहने के पुराने और असरदार घरेलू नुस्खे

आज हम एक ऐसी आम समस्या पर चर्चा करेंगे जो हर किसी को कभी न कभी परेशान करती है, कब्ज। यह न केवल आपके पेट को प्रभावित करती है, बल्कि आपकी जीवन की गुणवत्ता को भी कम कर सकती है। अगर आप भी कब्ज से जूझ रहे हैं, तो दादी–नानी के जमाने से अपनाए गए कुछ प्रभावशाली और नेचुरल घरेलू नुस्खों से राहत पा सकते हैं। जानिए कैसे ये पुराने नुस्खे आपके पेट को आराम दे सकते हैं और आपकी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

मुनक्के एक प्रभावशाली उपाय

मुनक्का कब्ज से राहत पाने के लिए एक असरदार नुस्खा हो सकता है। आचार्य श्री बालकृष्ण के अनुसार, मुनक्के का उपयोग करने से पेट की समस्याओं में सुधार हो सकता है। इसके लिए, आपको 8 ग्राम मुनक्कों को रातभर पानी में भिगोकर रखना होगा। सुबह के समय मुनक्कों के बीज निकालें और इन्हें दूध में उबालकर पिएं। यह उपाय आपके पेट की सफाई में मदद करेगा और कब्ज से राहत प्रदान करेगा।

बेल का शरबत

आयुर्वेद में बेल का शरबत कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय माना गया है। बेल के फल में अनेक पोषक तत्व होते हैं जो गट हेल्थ को सुधारने में मदद करते हैं। एक हाफ कप बेल के गूदे को एक चम्मच गुड़ के साथ मिलाकर सेवन करने से पेट की समस्याओं में राहत मिल सकती है। इसे नियमित रूप से सेवन करने से गट हेल्थ में सुधार हो सकता है।

जीरा और अजवाइन

जीरा और अजवाइन, दोनों ही औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं और दादी–नानी के जमाने से पेट की समस्याओं के इलाज में उपयोग किए जाते हैं। इन दोनों को हल्की आंच पर भून लें और फिर इन्हें पीसकर काला नमक मिलाएं। इस मिश्रण की आधी चम्मच को गुनगुने पानी में मिलाकर पिएं। यह उपाय कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करेगा और पेट को आराम देगा।

पानी पीने का सही तरीका

पानी पीने का तरीका भी आपकी सेहत पर असर डाल सकता है। गिलास में पानी पीना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि इससे पानी का सेवन धीमे और नियमित रूप से होता है, जिससे पेट की समस्याओं में राहत मिल सकती है। बोतल से पानी पीने के मुकाबले गिलास से पानी पीने की आदत डालें और इसे नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

अंजीर

अंजीर कब्ज की समस्या से राहत पाने के लिए एक प्रभावशाली घरेलू उपाय हो सकता है। इसके लिए, आपको रात भर अंजीर को पानी में भिगोकर रखना चाहिए। सुबह उठकर, इस भिगोई हुई अंजीर को खाली पेट सेवन करें। अंजीर फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो आंत्र की गति को बढ़ाते हैं और पेट की सफाई में मदद करते हैं। नियमित रूप से इस उपाय को अपनाने से कब्ज की समस्या में सुधार देखा जा सकता है और आपका पाचन तंत्र भी बेहतर हो सकता है। इन सरल और प्रभावी घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप कब्ज की समस्या से राहत पा सकते हैं और अपनी सेहत को सुधार सकते हैं। हमेशा ध्यान रखें कि किसी भी उपाय को अपनाने से पहले अपनी सेहत की स्थिति के बारे में चिकित्सक से सलाह लें।

ड्राई स्किन होगी कोमल बस इस तरह से बादाम का इस्तेमाल चेहरे पर करें

बादाम पोषण के लिहाज से बहुत अच्छा माना जाता है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। गौरतलब है कि बादाम गुणों की खान है। इसके सेवन से शरीर को कई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स प्राप्त होते है। सेहत के साथ ही स्किन के लिए काफी फायदेमंद है। आमतौर पर कुछ लोग बादाम का तेल से चेहरे पर मालिश करते हैं। हालांकि, अगर आपके पास बादाम का तेल नहीं तो बादाम का फेस पैक बना सकते हैं। इस फेस पैक को चेहरे पर अप्लाई करने से स्किन ग्लो करने लगती है। चेहरे पर बादाम का पैक लगाने से फाइन लाइंस और रिंकल को भी दूर करता है। इतना ही नहीं, स्किन के एजिंग प्रोसेस को रोकता है जिससे स्किन को यंग दिखने में मदद मिलती है। जानें ऑयली और ड्राई स्किन पर कैसे लगाएं बादाम।

ऑयली स्किन के लिए बादाम का प्रयोग कैसे करें

ऑयली स्किन से परेशान लोगों को बादाम के तेल से बना फेस पैक चेहरे पर लगाएं। फेस पैक बनाने के लिए आप एक से दो बादाम को रातभर पानी में भिगो दें। अगली सुबह इस बादाम को पीसकर पेस्ट तैयार करें। दही में बादाम के पेस्ट को मिलाकर फेस पैक बनाएं और फिर चेहरे पर अप्लाई करें। 10–15 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें।

दही बादाम फेस पैक लगाने का फायदा

जिन लोगों की ऑयली स्किन होती है उनके पिंपल और एक्ने जल्दी निकलते हैं और चेहरा डल दिखता है। दही के साथ मिलाकर बादाम लगाने से न केवल पिंपल का निकलना कम होता है बल्कि तैलीय त्वचा नहीं दिखाई देती और खिला–खिला चेहरा नजर आता है।

ड्राई स्किन के लिए बादाम सबसे अच्छा है

ड्राई स्किन के लिए काफी फायदेमंद है बादाम। चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइन्स भी बादाम के फेस पैक दूर हो जाती है। बादाम के इस्तेमाल से स्किन ग्लोइंग और यंग बनाने में मदद करता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए भीगे बादाम को ओट्स और दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। हल्के हाथों से मसाज करें और चेहरा को साफ करें। ऐसा करने से आपके चेहरे की डेड स्किन रिमूव होती है और त्वचा ग्लो करती है।

संक्षिप्त

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए 32.45 लाख करोड़ रुपये के वित्तपोषण का वादा : प्रहलाद जोशी

गांधीनगर। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने निवेशकों से भारत में निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने हरित परियोजनाओं में 32.45 लाख करोड़ रुपये के वित्तपोषण की प्रतिबद्धता जताई है। चौथे री–इन्वेस्ट 2024 कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जोशी ने कहा, हमें 2030 तक 500 गीगावाट के अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ ही डेवलपर, निर्माताओं और वित्तीय संस्थानों से भारी प्रतिबद्धताएं मिली हैं। उन्होंने बताया कि डेवलपर ने अतिरिक्त 570 गीगावाट क्षमता जोड़ने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि विनिर्माताओं ने सौर मॉड्यूल में 340 गीगावाट, सौर सेल में 240 गीगावाट, पवन टर्बाइन में 22 गीगावाट और इलेक्ट्रोलाइजर में 10 गीगावाट की अतिरिक्त विनिर्माण क्षमता की प्रतिबद्धता जताई है। बैंक और वित्तीय संस्थानों ने 2030 तक 386 अरब अमेरिकी डॉलर (32.45 लाख करोड़ रुपये) के अतिरिक्त वित्तपोषण के लिए प्रतिबद्धता जताई है।

अदाणी समूह ने नवीकरणीय ऊर्जा में 4.05 लाख करोड़ रुपये निवेश करने का वादा किया

गांधीनगर। अदाणी समूह ने कहा कि उसने चौथे वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (री–इन्वेस्ट) 2024 के दौरान सौर, पवन और ग्रीन हाइड्रोजन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में 4,05,800 करोड़ रुपये निवेश करने का संकल्प लिया है।

री–इन्वेस्ट 2024 में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय को सौंपे गए शपथ पत्रों के अनुसार समूह की कंपनियों – अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) और अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) ने 2030 तक नवीकरणीय परियोजनाओं में निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी ने 2030 तक 50 गीगावाट आरई क्षमता (वर्तमान में 11.2 गीगावाट परिचालन क्षमता) की प्रतिबद्धता जताई है। अदाणी न्यू इंडस्ट्रीज 10 गीगावाट का सौर विनिर्माण संयंत्र, पांच गीगावाट का पवन विनिर्माण, 10 गीगावाट का ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और पांच गीगावाट का इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी। इन निवेश से 71,100 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

सोने की कीमतों को लेकर आई बड़ी खबर, दिवाली से पहले बढ़ सकते हैं दाम

देश में सोने की कीमतों में फिर इजाफा हो सकता है। इन दिनों डॉलर की कीमत कमजोर हो रही है। इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कटौती की है। इस कटती के बाद सोमवार को सोने की कीमतें रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। इस सत्र की शुरुआत में 2,589.23 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने के बाद हाजिर सोना 0.5: बढ़कर 2,588.29 डॉलर प्रति औंस हो गया। अमेरिकी सोना वायदा 0.2: बढ़कर 2,615.80 डॉलर पर बना हुआ है। चीन, जापान, इंडोनेशिया, मलेशिया और दक्षिण कोरिया में छुट्टियों के कारण व्यापार की स्थिति खराब रही है। डॉलर में 0.2: की गिरावट आई, जिससे अन्य मुद्रा धारकों के लिए सोना सस्ता हो गया। केसीएम ट्रेड के मुख्य बाजार विश्लेषक टिम वाटरर ने कहा, ष्इस सप्ताह फेड द्वारा 50 आधार अंकों की कटौती करके कुल्हाड़ी चलाने की संभावना ने सोने और डॉलर को विपरीत दिशाओं में भेज दिया है। सोने के लिए समग्र परिस्थितियाँ अनुकूल बनी हुई हैं, और आगे भी इसमें वृद्धि की संभावना है। यदि डॉलर में गिरावट का रुख जारी रहता है, तो सोना वर्ष के अंत तक 2,700 डॉलर तक पहुँच सकता है।ष इस सप्ताह सभी की निगाहें फेड पर रहेंगी क्योंकि 17–18 सितंबर की मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दरों में कटौती की सीमा और भविष्य में कटौती की गति के बारे में अटकलें बढ़ रही हैं। बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान भी इस सप्ताह के अंत में नीतिगत निर्णयों की घोषणा कर रहे हैं। सीएमई फेडवॉच टूल के अनुसार, बाजार वर्तमान में बुधवार को 50–बीपीएस कटौती की 59: संभावना पर मूल्य निर्धारण कर रहे हैं। यह 2020 के बाद से फेड की पहली दर कटौती होगी। शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चला कि मुद्रास्फीति में कमी के कारण सितंबर में अमेरिकी उपभोक्ता भावना में सुधार हुआ, हालांकि नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों से पहले अमेरिकी लोग सतर्क बने रहे। कम ब्याज दरों और भू–राजनीतिक उथल–पुथल के बीच शून्य–उपज वाला सोना एक पसंदीदा निवेश बन गया है। एफबीआई के अनुसार, रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प पर रविवार को दूसरी बार हत्या का प्रयास किया गया। हाजिर चांदी 1.2: बढ़कर 31.02 डॉलर प्रति औंस हो गई, जो दो महीने में इसका उच्चतम स्तर है। प्लैटिनम 0.4: चढ़कर 999.38 डॉलर पर पहुंच गया और पैलेडियम 0.7: बढ़कर 1,075.60 डॉलर पर पहुंच गया।

सेबी अपने कर्मचारियों की परेशानियों का निकालेगा समाधान, निकाया ये तरीका

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) अपने कर्मचारियों द्वारा हाल ही में व्यक्त की गई चिंताओं का समाधान निकालने के लिए तैयार है। कर्मचारियों ने अपनी चिंताएं व्यक्त की थी। इसके बाद सेबी ने तय किया है कि सभी समस्याओं का समाधान आंतरिक माध्यमों से सौहार्दपूर्ण तरीके से होगा। सेबी ने कहा, सेबी उचित इंटरनल मेकेनिज्म के जरिए कर्मचारियों से संबंधित मामलों को संबोधित करता है। सभी ग्रेड के अधिकारियों के प्रतिनिधियों के साथ रचनात्मक चर्चा के बाद, सेबी और उसके कर्मचारियों ने पुष्टि की है। ऐसे मुद्दे पूरी तरह से आंतरिक हैं और संगठन के उच्च मानकों के अनुसार और समयबद्ध ढांचे के भीतर उनका प्रबंधन किया जाएगा।

अगस्त के लिए आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए वेलालागे और हर्षिता

दुनिथ वेलालागे और हर्षिता समरविक्रमा को सोमवार को अगस्त 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वेलालागे ने भारत के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया जबकि हर्षिता ने आयरलैंड दौरे पर प्रभावित किया।

श्रीलंका के दुनिथ वेलालागे और हर्षिता समरविक्रमा को सोमवार को अगस्त 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वेलालागे ने भारत के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया जबकि हर्षिता ने आयरलैंड दौरे पर प्रभावित किया। इससे पहले सिर्फ एक बार किसी महीने में एक ही देश के दोनों पुरुष और महिला खिलाड़ियों को महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है। इस साल जून में भारत के जसप्रीत बुमराह और उनकी हमवतन स्मृति मंधाना को महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। वेलालागे ने दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता। वेलालागे को भारत के खिलाफ श्रीलंका के 2–0 से श्रृंखला जीतने के दौरान श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। बाएं हाथ के इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने नाबाद 67, 39 और दो रन की पारियां खेलने के अलावा तीसरे मैच में 27 रन देकर पांच विकेट सहित श्रृंखला में कुल सात विकेट भी चटकाए। यह पुरस्कार शुरू होने के बाद यह पांचवां मौका है जब श्रीलंका के पुरुष क्रिकेट को यह पुरस्कार मिला है। इससे पहले एंजेलो मैथ्यूज (मई 2022), प्रबाथ जयसूर्या (जुलाई 2022), वानिंदु हसरंगा (जून 2023) और कामिंदु मेंडिस (मार्च 2024) यह पुरस्कार जीत चुके हैं। वेलालागे ने कहा कि यह पुरस्कार बहुत प्रोत्साहन देने वाला है। उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए बहुत अच्छी खबर है और इससे मुझे बहुत संतुष्टि मिली है क्योंकि यह सम्मान मुझे एक खिलाड़ी के रूप में अच्छा काम जारी रखने और मैदान में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अपनी टीम में योगदान देने की और ताकत देगा।'' वेलालागे ने कहा, ''आईसीसी से मिलने वाली इस तरह की मान्यता हमारे जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छी खबर है और इससे निश्चित रूप से युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा।'' दूसरी तरफ महिला पुरस्कार की दौड़ में हर्षिता ने ओर्ला प्रेंडरगास्ट और गैबी लुईस की आयरलैंड की जोड़ी को पछाड़ा। आयरलैंड दौरे पर हर्षिता एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में शतक जड़ने वाली श्रीलंका की सिर्फ तीसरी महिला क्रिकेटर बनीं। बाएं हाथ की 26 वर्षीय बल्लेबाज हर्षिता ने दो टी20 अंतरराष्ट्रीय में 169.66 के स्ट्राइक रेट से कुल 151 रन बनाए जिसमें पहले मैच में 45 गेंद में नाबाद 86 रन की मैच विजयी पारी भी शामिल है। उन्होंने बेलफास्ट में तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 82.69 के स्ट्राइक रेट से 172 रन बनाए जिसमें दूसरे मैच में 105 रन की पारी भी शामिल है। हर्षिता आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी बनने वाली श्रीलंका की सिर्फ दूसरी क्रिकेटर हैं। श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू इस साल मई और जुलाई में दो बार यह खिताब अपने नाम कर चुकी हैं।

भारतीय टीम को सुनील गावस्कर ने किया आगाह, कहा– बांग्लादेश को हल्के में लेने की गलती ना करें

भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर ने रोहित शर्मा की टीम इंडिया को चेतावनी दी है। गावस्कर ने रोहित शर्मा समेत टीम इंडिया को चेताते हुए कहा कि वो बांग्लादेश को हल्के में ना लें। दो साल पहले ढाका में खेले गए टेस्ट मैच में बांग्लादेश ने भारत को मुश्किल में डाला था, हालांकि, श्रेयस अय्यर और आर अश्विन ने मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाई थी। भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होने जा रहा है। एक महीने से ज्यादा के ब्रेक के बाद टीम इंडिया के लिए बांग्लादेश से निपटना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वहीं इसी को लेकर भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर ने रोहित शर्मा की टीम इंडिया को चेतावनी दी है। गावस्कर ने रोहित शर्मा समेत टीम इंडिया को चेताते हुए कहा कि वो बांग्लादेश को हल्के में ना लें। दो साल पहले ढाका में खेले गए टेस्ट मैच में बांग्लादेश ने भारत को मुश्किल में डाला था, हालांकि, श्रेयस अय्यर और आर अश्विन ने मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाई थी। लेकिन तब और अब बांग्लादेश की टीम में काफी बदलाव हुआ है। टीम ने हाल ही में पाकिस्तान को उसी के घर में पटखनी देकर खिताब अपने नाम किया। गावस्कर ने मिड–डे में अपने कॉलम में लिखा कि, पाकिस्तान में खेले गए दोनों टेस्ट मैचों में पाकिस्तान को हराकर बांग्लादेश ने दिखा दिया कि उनमें कितनी ताकत है। इतना ही नहीं जब दो साल पहले टीम इंडिया ने बांग्लादेश का दौरा किया था, तब भी इस टीम ने भारत को कड़ी टक्कर दी थी। अब पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के बाद उनका मनोबल बढ़ा हुआ है और अब वह भारत को हराना चाहेंगे। गावस्कर ने आगे कहा कि, उनके पास कुछ बढ़िया खिलाड़ी मौजूद हैं और कुछ युवा क्रिकेटरों ने भी प्रभावित किया है। जो विरोधी टीम को देखकर डरते नहीं हैं। अब जो भी टीम उनके खिलाफ खेलेगी, उन्हें हल्के में नहीं लेगी। क्योंकि उसे पता है कि बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट सीरीज में 2–0 से धोया है। ये सीरीज देखने लायक होगी। भारतीय टीम को आने वाले कुछ महीनों में कुल 10 टेस्ट मैच खेलने हैं। जिसमें बांग्लादेश के खिलाफ दो, न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच अपनी धरती पर खेलने हैं, जबकि फिर बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है। जहां पांच टेस्ट मैच खेलने होंगे। भारतीय टीम आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप 2023–25 पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है, लेकिन फाइनल में पहुंचने के लिए उसे बाकी बचे मैचों में से ज्यादा से ज्यादा मैच जीतने होंगे।

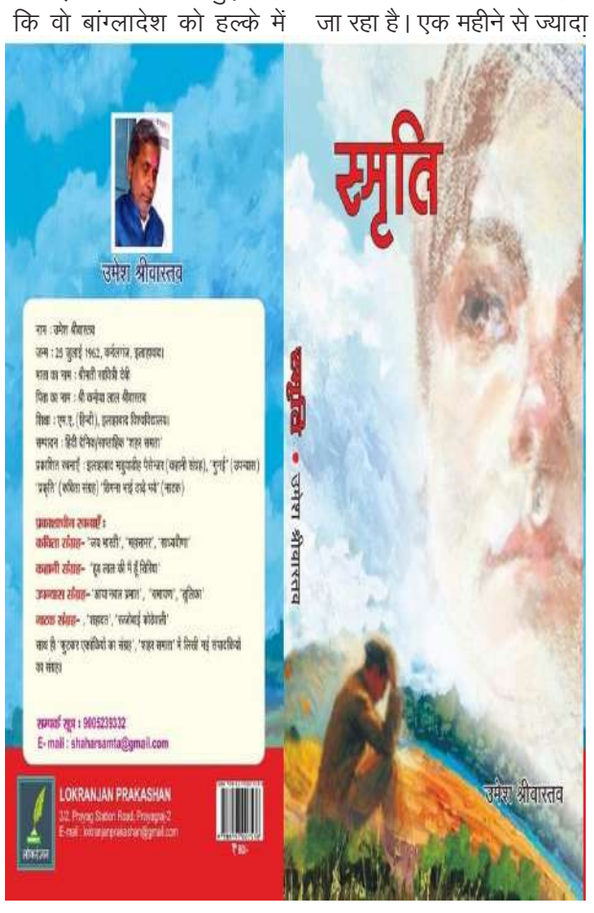

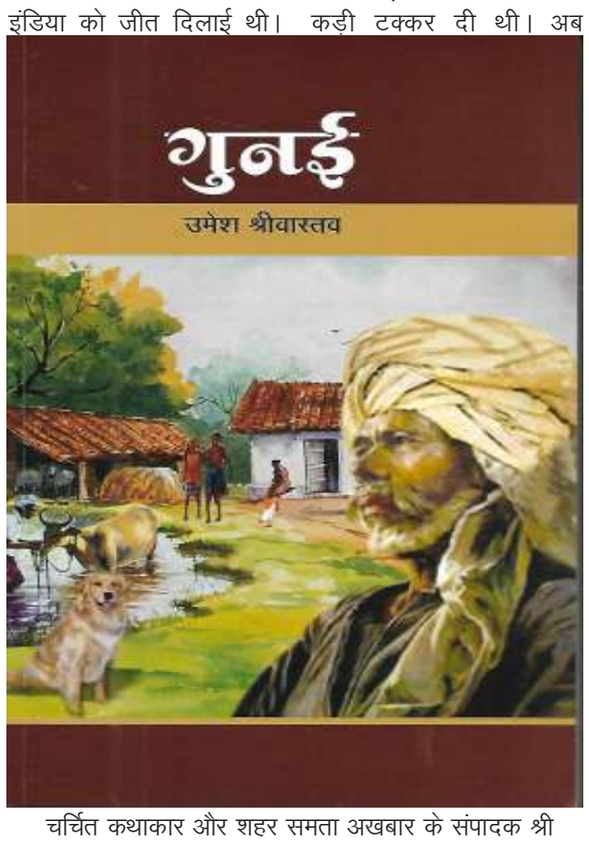

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

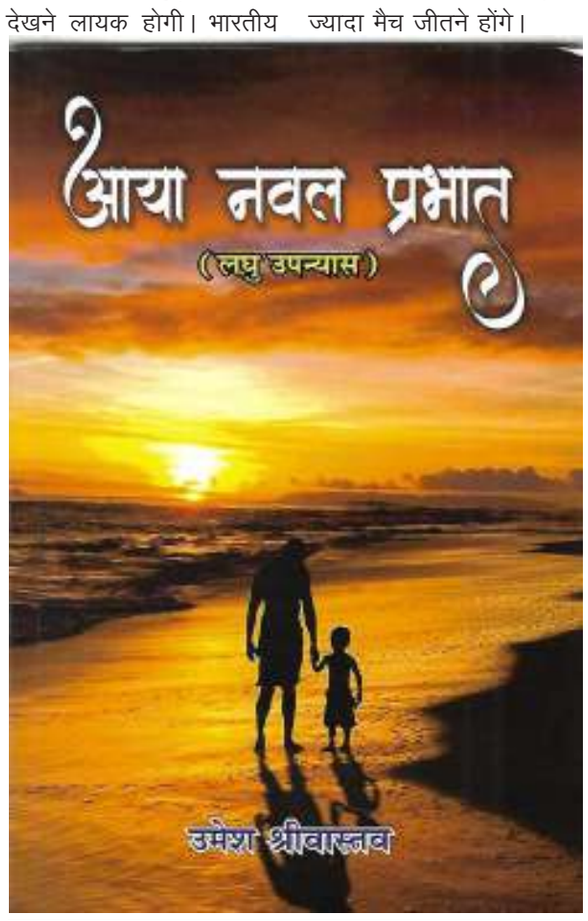

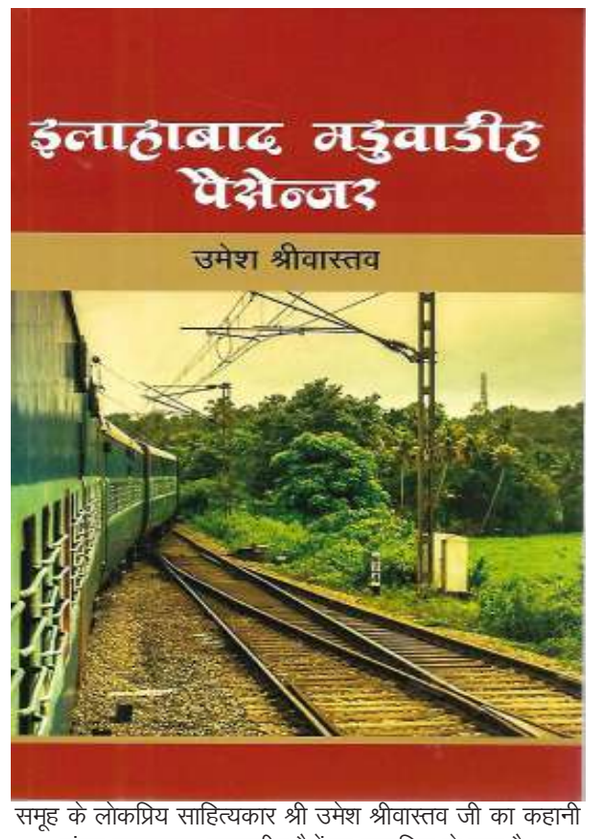

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

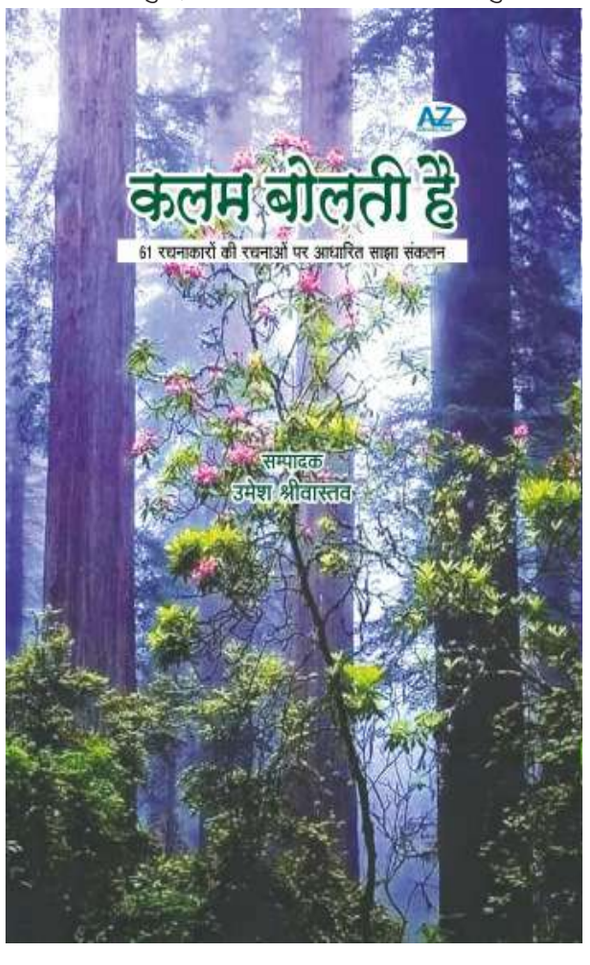

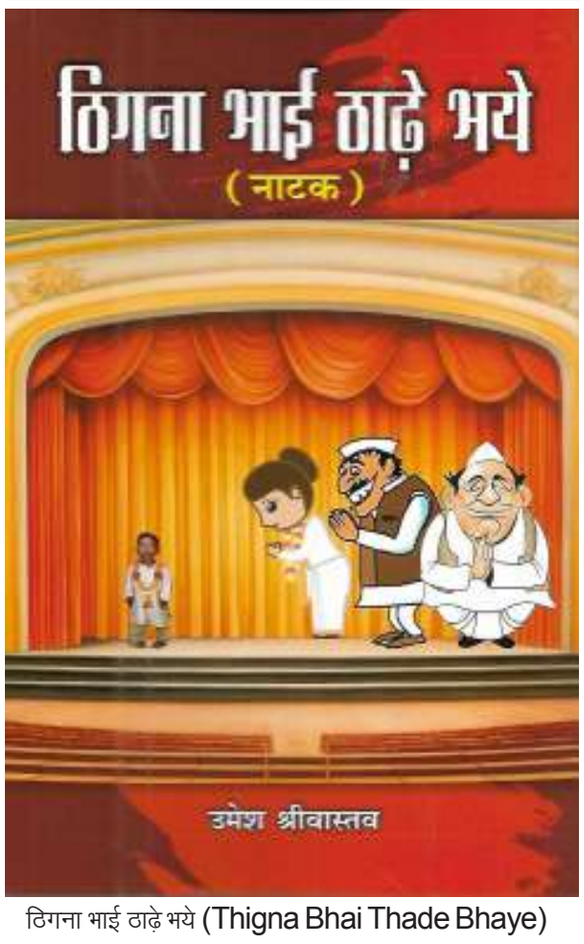

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

नेपाल की विदेश मंत्री देउबा सोमवार को कनाडा के लिए रवाना होंगी

नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा 19 से 20 सितंबर तक टोरंटो में आयोजित महिला विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए सोमवार को कनाडा के लिए रवाना होंगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की पत्नी और विदेश मंत्री आरजू राणा कनाडा

और जमैका द्वारा सह–आयोजित बैठक को संबोधित करेंगी। देउबा 21 सितंबर को अमेरिका के लिए रवाना होंगी जहां वह न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में नेपाल के प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगी। वह चार अक्टूबर को स्वदेश लौटने से पहले दो–तीन अक्टूबर को दोहा में एशिया सहयोग वार्ता के तीसरे शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगी। भाषा।

नाइजीरिया में नौका पलटने के बाद कम से कम 40 लोग हुए लापता : अधिकारी

नाइजीरिया के उत्तर पश्चिम हिस्से में एक नदी में नौका दुर्घटना में कम से कम 40 लोग डूब गये। राष्ट्रपति बोला टिनुबू ने रविवार को यह जानकारी दी। टिनुबू ने एक बयान में बताया कि जामफारा प्रांत में किसान अपनी जमीन पर जाने की कोशिश कर रहे थे, उसी दौरान यह हादसा हुआ। राष्ट्रपति ने पीड़ितों के लिए सहयोग का वादा किया है तथा आपात एजेंसियों को इस दुर्घटना का आकलन करने का निर्देश दिया। जामफारा के पुलिस प्रवक्ता याजिद अबूबकर ने बताया कि शनिवार को यह हादसा हुआ, जिसके बाद पांच लोगों को बचा लिया गया, लेकिन 40 लोग अब भी लापता हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि जब यह नौका डूबी, तब कितने लोग उसपर सवार थे।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने सेना मुख्यालय का दौरा किया

बांग्लादेश अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने रविवार को पहली बार सेना मुख्यालय का दौरा किया जहां उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जानकारी दी गई। सेना ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सेना मुख्यालय पहुंचने पर सेना प्रमुख जनरल वकर–उज–जमां ने यूनुस का स्वागत किया। विज्ञप्ति में कहा कि मुख्य सलाहकार द्वारा दिए गए निर्देश सामूहिक रूप से भविष्य की कार्य योजना के निर्माण

और इन्हें लागू करने के लिए प्रभावी भूमिका निभाने में बहुत मददगार होंगे। विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन, गृह सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) जहांगीर आलम चौधरी, रक्षा एवं राष्ट्रीय एकता के मामलों के यूनुस के विशेष सहायक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) अब्दुल हाफिज, कैबिनेट सचिव महबूब हुसैन, नौसेना तथा वायु सेना के प्रमुख और विभिन्न कानून प्रवर्तन तथा खुफिया एजेंसियों के प्रमुख भी इस दौरान मौजूद रहे।

कनाडा में उत्तरी ब्रिटिश कोलंबिया के तट पर आए दो भूकंप

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के उत्तरी तट पर रविवार को दो भूकंप आए जिनमें से एक की तीव्रता 6.5 मापी गई। इन भूकंपों के कारण जान माल का कोई नुकसान होने की फिलहाल कोई खबर नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि पहले आए भूकंप की तीव्रता 6.5 मापी गई जो स्थानीय समयानुसार अपराह्न तीन बजकर 20 मिनट पर आया। उसने बताया कि इसका केंद्र वैंकूवर से लगभग 1,720 किलोमीटर उत्तर में स्थित हैदा ग्वाई द्वीपसमूह के पास 33 किलोमीटर की गहराई में था। 'प्राकृतिक संसाधन कनाडा' ने बताया कि लगभग एक घंटे बाद उसी क्षेत्र में 4.5 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने बताया कि इन भूकंपों के कारण सुनामी आने का कोई खतरा नहीं है और किसी प्रकार का नुकसान होने की कोई खबर नहीं मिली है।

जॉर्डन के राजा के रिश्तेदार और तीन अन्य 'भेदिया कारोबार' की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार

अमेरिकी अधिकारियों ने जॉर्डन के राजा के एक रिश्तेदार सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है जिन पर दक्षिण फ्लोरिडा की प्रमुख कंपनियों में से एक मासटेक द्वारा अधिग्रहित कारोबार पर 'भेदिया कारोबार' की साजिश रचने का आरोप है। 'मियामी हेराल्ड' की खबर में बताया गया कि फेडेरिको नन्निनी (26), उसके पिता माउरो नन्निनी (63) और उनके दो दोस्तों एलेजांड्रो थर्मियोटिस (26) और फ्रांसिस्को टोनेरेली (25) को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और प्रतिभूति धोखाधड़ी करने की साजिश के एक मामले और 24 संबंधित अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। थर्मियोटिस जॉर्डन के राजा के रिश्तेदार हैं। थर्मियोटिस के भाई जमील ने पिछले साल किंग अब्दुल्ला की बेटी राजकुमारी इमान से शादी की थी। जॉर्डन के पैलेस से इस संबंध में बयान के लिए संपर्क किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। 'इनसाइडर–ट्रेडिंग' वह होता है जब किसी कंपनी का अधिकारी या कर्मचारी कंपनी से जुड़ी ऐसे जानकारी जो कि निवेशकों के पास नहीं है और उस जानकारी का इस्तेमाल करके खुद का, अपने रिश्तेदार या दोस्त का शेयर बाजार में फायदा करवाता है। अमेरिका समेत कई देशों में यह गैरकानूनी है।

पाकिस्तान में संविधान बदलने चली सरकार, मौलाना से समर्थन की गुहार

उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने के लिए कानून बनाने की अफवाहों के बीच, पाकिस्तानी सरकार संसद में एक व्यापक न्यायिक सुधार पैकेज पेश करने की योजना बना रही है। इसी क्रम में पाकिस्तान सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख धर्मगुरु और दक्षिणपंथी राजनेता मौलाना फजलुर रहमान से मुलाकात की और न्यायपालिका से संबंधित कानूनों में बदलाव लाने के उद्देश्य से लाए गए विवादास्पद संविधान संशोधन विधेयक पर उनका समर्थन मांगा। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार संवैधानिक संशोधनों के बारे में जमीयत उलेमा–ए–इस्लाम फजल (जेयूआई–एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान को समझाने में विफल रही।

मौलाना की मंजूरी का इंतजार

एआरवाई न्यूज ने कहा कि मामले से जुड़े उनके सूत्रों ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) और पीटीआई ने भी जेयूआई–एफ प्रमुख से संपर्क किया है और पीटीआई प्रतिनिधिमंडल बाद में मौलाना से मुलाकात करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौलाना फजल सरकारी अधिकारियों से मुलाकात के बाद विपक्ष के साथ भी बातचीत का कार्यक्रम तय करेंगे। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले शहबाज शरीफ ने बहुप्रतीक्षित श्संवैधानिक पैकेजश के मसौदे पर चर्चा के

लिए संघीय कैबिनेट की बैठक बुलाई थी। सरकार के प्रतिनिधिमंडल में उप प्रधानमंत्री इसहाक डार, गृह मंत्री मोहसिन नकवी और आजम नज़ीर तरार शामिल थे। सूत्रों ने बताया कि मौलाना सैद्धांतिक रूप से संशोधनों का समर्थन करते हैं, लेकिन पूरी योजना का नहीं।

शहबाज सरकार संविधान में करना चाहती है कौन सा संशोधन

संशोधनों का विवरण अब भी राज है क्योंकि सरकार ने आधिकारिक तौर पर इसे मीडिया के साथ साझा नहीं किया है और ना ही सार्वजनिक रूप से इस पर चर्चा की है। अब तक जो रिपोर्ट मिली है, उससे पता चलता है कि सरकार न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाने और उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश का कार्यकाल तय करने की योजना बना रही है। सरकार संविधान संशोधन के जरिए से एक संवैधानिक अदालत का गठन करना चाहती है तथा संविधान के अनुच्छेद 63–ए में संशोधन करना चाहती है – जो सांसदों के दलबदल से संबंधित है। सरकार के पास संविधान में संशोधन के लिए दो तिहाई बहुमत नहीं है और उसे मौलाना रहमान के समर्थन की जरूरत है।

ट्रंप को फिर जान से मारने की कोशिश, एके-47 से भयंकर हमला

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर से निशाना बनाया गया। फ्लोरिडा के वेस्ट पॉम बीच के पास गोलियों की आवाजें सुनाई दी। यहीं पर ट्रंप गोल्फ खेल रहे थे। कहा जा रहा है कि निशाने पर ट्रंप थे। लेकिन इस घटना में ट्रंप पुरी तरह सुरक्षित हैं। एफबीआई ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और हत्या के प्रयास के तौर पर इस घटना की जांच कर रही है। जिस समय ये घटना हुई उस वक्त ट्रंप गोल्फ कोर्स में गोल्फ खेल रहे थे। इस घटना का पता चलते ही सीक्रेट सर्विस के एजेंट उन्हें तुरंत क्लब के होल्डिंग रूम में ले गए। दरअसल, हमलावर ट्रंप से 275 से 450 मीटर की दूरी पर था। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा

कि वह सुरक्षित और ठीक हैं और प्राधिकारियों ने इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पाम बीच काउंटी के शेरिफ रिक ब्रैडशॉ ने बताया कि एक एजेंट ने गोली चलाई जिसके बाद वहां मौजूद बंदूकधारी राइफल वहीं फेंककर एक एसयूवी में सवार होकर भाग गया। उन्होंने बताया कि राइफल के साथ दो बैकपैक, निशाना लगाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक दूरबीन और एक कैमरा भी मिला है। बाद में उस व्यक्ति को पास की एक काउंटी में कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने पकड़ लिया। मार्टिन काउंटी के शेरिफ विलियम स्नाइडर के अनुसार, उस व्यक्ति का व्यवहार शांत और संतुलित था तथा जब उसे रोका गया तो उसने यह भी नहीं पूछा कि उसे क्यों रोका गया है। ट्रंप ने अपने समर्थकों को भेजे एक ईमेल में कहा कि मेरे आस–पास गोलीबारी की आवाजें आ रही थीं, लेकिन इससे पहले कि अफवाहें नियंत्रण से बाहर हो जाएं, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैं सुरक्षित और ठीक हूं। उन्होंने लिखा कि मुझे कोई चीज नहीं रोक सकती। ट्रंप की गतिविधियों से परिचित एक अधिकारी ने अपनी पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि ट्रंप पाम बीच स्थित अपने निजी क्लब मार–ए–लागो में लौट आए हैं, जहां वे रहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को इस मामले में जांच के निष्कर्षों से अवगत कराया गया है।

पाकिस्तान के साथ मिलकर क्या खतरनाक खेल खेलने वाला है बांग्लादेश ? परमाणु संधि की खबर से भारत भी हो गया हैरान

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद भारत विरोधी गतिविधियां लगातार परवान चढ़ रही है। पहले तो वहां हिंदुओं को निशाना बनाए जाने की खबरें लगातार आ रही थी। इसके साथ ही कट्टरपंथी संगठनों की तरफ से भारत को लेकर बयानबाजी भी की जा रही थी। अब ढाका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर की तरफ से ऐसा बयान सामने आया है जिसे सुनकर लगता है कि बांग्लादेश अब कट्टरपंथी पाकिस्तान संग दोस्ती बढ़ाना चाहता है। बांग्लादेश में पाकिस्तान से दोस्ती और भारत से दुश्मनी की मांग करने वाली नई ताकतें उभर रही हैं। ढाका विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर ने अब बांग्लादेश के जन्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले देश भारत को रोकने के लिए पाकिस्तान के साथ

परमाणु संधि का आह्वान किया है। यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने कहा कि भारत की आदतन धारणा को बदलने के लिए, सही जवाब होगा कि हम परमाणु–सक्षम बनें। बांग्लादेश का परमाणुकरण करें। परमाणु–सक्षम होने का मतलब यह नहीं है कि हम परमाणु शक्ति बन जाएं। परमाणु–सक्षम से मेरा मतलब है कि हमें अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ परमाणु संधि करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तकनीकी सहायता के बिना भारत को रोका नहीं जा सकता। प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा बांग्लादेश का सबसे भरोसेमंद सुरक्षा भागीदार रहा है। लेकिन भारतीय नहीं चाहते कि हम इस पर विश्वास करें। अवामी लीग चाहती है कि हम इस पर विश्वास न करें। बांग्लादेश को पाकिस्तान की ओर झुकाव रखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तानियों का दिल ईर्ष्यालु है। वे नहीं चाहते कि हम माफ़ी मांगें. लेकिन वे यह भी नहीं चाहते कि हम भारत के साथ रहें। वे भारत से हमारी रक्षा के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। प्रोफेसर शाहिदुज्जमां ने पाकिस्तान से परमाणु मिसाइलें हासिल करने और उन्हें भारत से लगी सीमा पर तैनात करने की भी बात कही. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की गौरी कम दूरी की मिसाइलों को उत्तरी बंगाल और चटगांव पहाड़ी इलाकों में रखने से भारत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत बांग्लादेश के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर उसे पूर्वोत्तर राज्यों का हिस्सा बनाना चाहता है और इसे रोकने के लिए परमाणु संधि और पाकिस्तानी मिसाइल हासिल करने के मामले में पाकिस्तान की मदद की जरूरत है।

फेक न्यूज फैलाने वालों को अडानी ग्रुप की कड़ी चेतावनी, कहा- केन्या को लेकर कोई प्रेस रिलीज जारी नहीं किया

देश के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अडानी समूह ने केन्या में समूह की उपस्थिति को लेकर फेक न्यूज फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। अडानी समूह ने कहा कि न तो उनका ग्रुप और न ही उसकी किसी कंपनी या सहायक कंपनी ने केन्या में चल रही अपनी परियोजनाओं और उपस्थिति से संबंधित कोई प्रेस स्टेटमेंट जारी किया है। अडानी समूह के प्रवक्ता ने दावा किया कि स्वार्थी तत्व केन्या में समूह की वाली प्रेस विज्ञप्तियां प्रसारित कर है अडानी समूह निराधार आरोपों अडानी समूह ने अपने बयान में हैं अडानी ग्रुप या उसकी कंपनी लेकर कोई प्रेस रिलीज जारी नहीं और प्रभावशाली लोगों से अनुरोध किसी भी लेख या समाचार को और स्रोतों का सत्यापन कर लें। बड़े इंटरनैशनल पोर्ट पर सैकड़ों

कुछ दुर्भावनापूर्ण इरादे वाले निहित उपस्थिति से संबंधित कई धोखाधड़ी रहे हैं, जिनमें से एक का शीर्षक और धमकियों की निंदा करता है। कहा, हम ये स्पष्ट करना चाहते या किसी सब्सिडियरी वे केन्या को किया है। अडानी ग्रुप ने, मीडिया किया है कि अडानी समूह पर प्रकाशित करने से पहले तथ्यों गौरतलब है कि केन्या के सबसे कर्मचारियों ने अपनी सरकार और भारत के अडाणी समूह के बीच समझौते के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके कारण उड़ानों की आवाजाही ठप हो गई और सैकड़ों यात्री एयरपोर्ट पर फंसे रहे। दरअसल, अडाणी समूह ने नैरोबी के जोमो केन्याटा इंटरनैशनल एयरपोर्ट को आधुनिक बनाने के लिए वहां की सरकार से डील की है। इसमें एक और रनवे और टर्मिनल बनाया जाना है। बदले में अडाणी समूह 30 साल तक इस एयरपोर्ट को चलाएगा। इस डील के विरोध मे केन्या एविएशन वर्कर्स यूनियन ने हड़ताल की है।

जर्मनी के कोलोन में नाइटक्लब के पास बड़ा विस्फोट, पुलिस ने इलाका सील कर लोगों को किया अलर्ट

कोलोन (जर्मनी)। जर्मनी के कोलोन शहर में सोमवार की सुबह एक बड़ा विस्फोट हुआ। यह घटना होहेनजोलर्नरिंग (भ्वीमद्रवससमतदतपदह) इलाके के वैनिटी नाइटक्लब के प्रवेश द्वार पर हुई। इसके बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी। विस्फोट की खबर के साथ ही पुलिस ने लोगों को इलाके से दूर रहने की सलाह दी है। कोलोन पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी दी कि होहेनजोलर्नरिंग रिंग रोड पर एक बड़ा पुलिस ऑपरेशन चल रहा है। स्थानीय निवासियों को इलाके से दूर रहने की चेतावनी दी गई है। इस विस्फोट के बाद से शहर में दहशत का माहौल है। पुलिस ने तुरंत इलाके को घेर लिया और सुरक्षा बढ़ा दी। विस्फोट का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब पांच बजकर 50 मिनट पर यह धमाका हुआ। घटना वैनिटी नाइटक्लब के मुख्य प्रवेश द्वार पर हुई। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से इलाके को खाली करा लिया है। विस्फोट के बाद से पूरे क्षेत्र में जांच की जा रही है और विस्फोट के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

पुलिस ने पूरे क्षेत्र को किया सील

विस्फोट के बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र को सील कर दिया। इसके अलावा, बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सहयोग करें। पुलिस लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी साझा कर रही है। पुलिस ने जनता को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत देने की सलाह दी है। स्थानीय निवासियों को उनके घरों में रहने और बाहर न निकलने की हिदायत दी गई है। इस घटना के बाद से पुलिस लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में लगी हुई है। पुलिस इस घटना के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, विस्फोट का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां हर संभावित एंगल से जांच कर रही हैं। पुलिस ने कहा है कि जल्द ही इस विस्फोट के पीछे के कारणों का पता लगाया जाएगा।

पापुआ न्यू गिनी में अवैध खनन को लेकर हिंसा, 20 की मौत

मेलबर्न। पापुआ न्यू गिनी में अवैध खनन को लेकर हुई हिंसा में 20 लोगों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी के मुताबिक हिंसा में जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। अधिकारियों के मुताबिक यह हिंसा पोर्गैरा घाटी में कई दिनों से चल रही है। पापुआ न्यू गिनी के संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सलाहकार मेट बागोसी ने कहा कि हिंसा में 20 लोगों की मौत हो चुकी है। लड़ाई जारी है। यह संख्या 50 तक हो सकती है। बागोसी ने कहा कि कुछ पुलिस बल ने हिंसा रोकने के लिए आगे बढ़ना शुरू किया है। हालांकि घायलों की संख्या के बारे में जानकारी नहीं मिली है। पोप फ्रांसिस ने पिछले सप्ताह पापुआ न्यू गिनी का दौरा किया था। इस दौरान पर वह एशिया प्रशांत क्षेत्र में 11 दिन की यात्रा पर रहे थे। उन्होंने वहां के लोगों से एक–दूसरे अच्छा व्यवहार करने के लिए कहा था। हिंसा उस क्षेत्र के पास हुई है जहां मई में भूस्खलन हुआ था। पापुआ न्यू गिनी में पहाड़ी पर हुए भूस्खलन में 2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए थे।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।